RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः72 , शनिवार, 25 अप्रैल 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु प्रचार रथों को हरी झंडी दिखाकर किया गया 03

डिजिटल जनगणना 2027: 12 दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न, 2 मई से शुरू होगा जमीनी कार्य 04

नेशनल क्रश बनने के बाद भी मेधा शंकर को नहीं मिले शादी के प्रपोजल 07

संक्षिप्त समाचार

बिहार में सम्राट सरकार ने साबित किया बहुमत

- अब कैबिनेट विस्तार की टकटकी, बंगाल चुनाव के बाद विस्तार

पटना (एजेंसी)। बिहार में सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली नई सरकार ने विधानसभा में अपना बहुमत साबित कर दिया। विधानसभा में ध्वनि मत से विश्वास प्रस्ताव पारित हो गया। विश्वास मत पर बहस के बाद सदन में सत्ता पक्ष के पक्ष में बहुमत रहा, जबकि विपक्ष संख्या बल के मामले में काफी पीछे रह गया। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार ने प्रस्ताव के पास होने की घोषणा कर दी। इसके साथ कैबिनेट मंत्री बनने के ख्वाहिशमंदों को 29 अप्रैल का इंतजार है, जब बंगाल

चुनाव का आखिरी दिन होगा। बिहार विधानसभा में संख्या बल के हिसाब से पहले से ही वोटिंग की संभावना कम थी। 243 सदस्यों वाली विधानसभा में सरकार को अपना बहुमत साबित करने के लिए 122 वोटों की आवश्यकता थी, लेकिन एनडीए ने अपनी एकजुटता का परिचय देते हुए 201 विधायकों के समर्थन का दावा पेश किया। मुख्यमंत्री बनने के बाद शुक्रवार को पहली बार विधानसभा सभा पहुंचे सम्राट चौधरी का फूलों का गुलदस्ता देकर स्वागत किया गया। मंत्री बनने की लिस्ट में शुमार लोग कुछ ज्यादा ही तैयारी के साथ पहुंचे थे। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिश कुमार के राज्यसभा से निर्वाचित होने के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था।

देशभर में मेडिकल स्टूडेंट्स की छुट्टी रद्द

नीट एग्जाम के लिए सरकार का बड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। मई में होने जा रहे नीट यूजी 2026 से पहले सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। नेशनल मेडिकल कमिशन ने देश के सभी मेडिकल कॉलेजों को जरूर निर्देश दिया है। एनएमसी ने सभी मेडिकल कॉलेजों से कहा है कि वे नीट एग्जाम से पहले किसी भी मेडिकल स्टूडेंट को 2 और 3 मई 2026 को छुट्टी नहीं देंगे। यानी अगर कोई मेडिकल स्टूडेंट इन दो दिनों में छुट्टी प्लान कर रहा है या पहले से छुट्टी अप्रूव है तो उनकी छुट्टी रद्द कर दी जाएगी। एनटीए ने सभी मेडिकल

कॉलेजों से नीट एग्जाम से पहले मेडिकल स्टूडेंट्स को छुट्टी न देने के लिए कहा है। आयोग ने कॉलेजों के नाम एक नोटिस जारी किया है। नोटिस में सभी मेडिकल कॉलेजों को यह सलाह दी जाए कि वे 2 मई और 3 मई 2026 को छात्रों को छुट्टी न दें। हालांकि इमरजेंसी या बहुत जरूरी मामले में छूट दी जा सकती है। नीट यूजी एग्जाम 3 मई 2026, रविवार को है। अंडरग्रेजुएट मेडिकल कोर्स में एडमिशन के लिए नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट आयोजित किया जाता है।

बंगाल में मतदाता सूची से 65 चुनाव अधिकारियों के नाम कटे,एससी पहुंचा मामला

चुनाव कराएंगे, मगर खुद अपना वोट नहीं दे पाएंगे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर एक बड़ा विवाद सामने आया है। चुनाव ड्यूटी पर तैनात 65 अधिकारियों के नाम ही मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। इससे नाराज इन अधिकारियों ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। दरअसल, चुनाव आयोग के आदेश पर बंगाल में मतदाता सूची का पुनरीक्षण किया गया था। इस कवायद में पूरे राज्य से 90.8 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से काट दिए गए। हैरानी की बात यह है कि चुनाव संपन्न कराने वाले 65 अधिकारियों के नाम भी इस सूची से गायब हैं। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ वकील एमआर शमशाद ने कोर्ट में कहा, ये 65 अधिकारी चुनाव ड्यूटी पर हैं। इनके ड्यूटी आर्डर पर वोटर

आईडी नंबर भी दर्ज है, लेकिन अब वो नंबर ही डिलीट कर दिए गए हैं। जो लोग चुनाव करवा रहे हैं, वही वोट नहीं डाल पाएंगे। यह मनमाना फैसला है। कई लोगों को नाम हटाने की वजह तक नहीं बताई गई। इस पर मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा, अपनी दलीलें अपीलीय ट्रिब्यूनल के सामने रखें। जस्टिस जयमाल्य बागची ने टिप्पणी की, ट्रिब्यूनल उचित आदेश देगा। इस चुनाव में शायद ये वोट न दे पाएं, लेकिन मतदाता सूची में बने रहने का इनका ज्यादा महत्वपूर्ण अधिकार सुरक्षित रहेगा।

सीजेआई बोले- बंगाल का वोटर टर्नआउट देखकर बहुत खुश हूं

सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में हुई रिकॉर्ड वोटिंग की तारीफ की। शुक्रवार को हुई सुनवाई के दौरान सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपिन पंचोली की बेंच ने राज्य में चुनावी हिंसा न होने पर संतोष जताया। सीजेआई ने कहा- भारत के नागरिक के रूप में, मुझे मतदान प्रतिशत देखकर बहुत खुशी हुई। जब लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं, तो इससे लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत होती है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, जिनके नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं, कि वे लोग समाधान के लिए कोर्ट की तरफ से नियुक्त 19 अपीलीय ट्रिब्यूनलों से संपर्क करें। कोर्ट बंगाल की याचिकाओं की सुनवाई कर रहा था।

केजरीवाल के अरमानों पर अपनों ने फेरा झाड़ू

- राघव चड्ढा समेत सात सांसदों ने पार्टी का छोड़ा साथ

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब से आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर आप से इस्तीफा देने का ऐलान किया है। राघव चड्ढा सहित छह और सांसदों ने बीजेपी ज्वाइन कर ली है। संदीप पाठक और अशोक मित्तल के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सांसद राघव

चड्ढा ने कहा, हमने फैसला किया है कि राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के हम दो-तिहाई सदस्य भारत के संविधान के प्रावधानों का प्रयोग करते हुए भाजपा में विलय कर लेंगे। मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने घोषणा की कि वे पार्टी के पांच अन्य सांसदों के साथ भाजपा में शामिल हो रहे हैं। राघव चड्ढा ने कहा कि एएपी के 10 राज्यसभा सांसदों में से सात भाजपा में विलय करने जा रहे हैं। चड्ढा ने कहा, संविधान के अनुसार, किसी भी पार्टी के कुल सांसदों में से दो-तिहाई सांसद दूसरी पार्टी में विलय कर सकते हैं। राघव चड्ढा ने प्रेसकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि राजनीति में आने से पहले मैं एक चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) था। मेरे साथ इस मंच पर विभिन्न क्षेत्रों के लोग थे, जिनमें कुछ वैज्ञानिक और कुछ शिक्षाविद भी थे। आज आम आदमी पार्टी (आप) छोड़ने वालों में एक विश्व स्तरीय क्रिकेटर, पद्म श्री पुरस्कार विजेता और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के लिए राज्यसभा में नोटिस

- इस पर 73 सांसदों के दस्तखत, मार्च में दोनों सदनों में खारिज हो चुका प्रस्ताव

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए विपक्ष ने शुक्रवार को राज्यसभा में नोटिस दिया। इस पर 73 सांसदों के दस्तखत हैं। इससे पहले मार्च में विपक्ष ने ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए संसद में नोटिस दिया था। हालांकि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा सभापति सीपी राधाकृष्णन ने इन नोटिसों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लगाए गए आरोप उन्हें हटाने के लिए आवश्यक उच्च संवैधानिक मानदंडों को पूरा नहीं करते। लोकसभा में सीईसी को हटाने के प्रस्ताव के लिए कम से कम 100 सांसदों के हस्ताक्षर जरूरी होते हैं। राज्यसभा में इसके लिए कम से कम 50 सांसदों के हस्ताक्षर जरूरी होते हैं।

दमदम और जादवपुर की रैली में बोले पीएम मोदी

बंगाल में टीएमसी का 'दीया' बुझने वाला है

कहा-वेस्ट बंगाल में अबकी बार परिवर्तन की लहर है

कोलकाता (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के दमदम और जादवपुर में रैली की। उन्होंने कहा कि टीएमसी का दिया बुझने वाला है। बुझता दिया फड़फड़ाता है। बंगाल में परिवर्तन की लहर है। पहले चरण की वोटिंग ने इस पर मुहर लगा दी है। पीएम ने महिला आरक्षण पर कहा कि भाजपा बेटियों के सपने कुचलने नहीं देगी। महिलाओं की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता होगी। बंगाल को टीएमसी से आजादी चाहिए। टीएमसी के डर से आजादी, टीएमसी के भ्रष्टाचार से आजादी, टीएमसी के सिंडीकेट से आजादी, बेटियों पर अत्याचार और बेरोजगारी से आजादी। टीएमसी ने बंगाल में लोकतंत्र के मंदिर को कुचल दिया था, लेकिन पहले चरण में जनता ने लोकतंत्र के मंदिर का पुनर्निर्माण कर दिया है।

टीएमसी राज में बेटियां सुरक्षित नहीं, बीजेपी में बलात्कारी सुरक्षित नहीं रहेगा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जादवपुर में कहा कि टीएमसी सरकार में पाले गए अपराधियों और गुंडों, तथा महिलाओं के खिलाफ बलात्कार जैसी घटनाओं के दोषियों को कानून सख्त सजा देगा और हम यह सुनिश्चित करेंगे। टीएमसी शासन में यहां बेटियां सुरक्षित नहीं हैं, लेकिन भाजपा सरकार में कोई भी अपराधी सुरक्षित नहीं रहेगा। सबका हिसाब होगा, यह मोदी की गारंटी है।

15 साल में टीएमसी ने बंगाल को सिर्फ लूटने का काम किया

पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को जाधवपुर में कहा कि बंगाल में पहले चरण का मतदान हो चुका है। पहले चरण में बंपर मतदान हुआ है। देश आजाद होने के बाद कभी ऐसा नहीं देखा जो इस बार बंगाल के लोगों ने कर दिखाया। हर तरफ यही चर्चा है कि भाजपा को कितना बड़ा समर्थन बंगाल में मिला है। आज बंगाल के छोटे दूकानदारों से लेकर बड़े व्यापारी तक, सब भयमुक्त होकर भाजपा की सरकार के लिए समर्थन दे रहे हैं। हर कोई परिवर्तन के लिए भाजपा के भरोसे पर बंगाल का भाग्य बनाने के लिए तैयार हैं।

सुप्रीम कोर्ट बोला-यह महिला की खुद की इच्छा का सवाल है

7 महीने की प्रेग्नेंट नाबालिग को अबॉर्शन की इजाजत

एससी ने कहा-उसे डिलीवरी के लिए मजबूर नहीं कर सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सात महीने से ज्यादा की प्रेग्नेंट 15 साल की लड़की को मेडिकल टर्मिनेशन (अबॉर्शन) की इजाजत दी। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने कहा- यह जन्म लेने वाले बच्चे का सवाल नहीं है। जरूरी यह है कि लड़की क्या चाहती है। अगर वह बच्चे को जन्म नहीं देना चाहती तो उसे मजबूर नहीं किया जा सकता। भले ही बच्चे को जन्म के बाद गोद देने का ऑप्शन मौजूद हो। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मेडिकल रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा था कि इस स्टेज पर अबॉर्शन करना मां और बच्चे दोनों के लिए

जोखिम भरा हो सकता है। उन्होंने डिलीवरी के बाद बच्चा गोद देने का सुझाव दिया था। कोर्ट ने उसे खारिज कर दिया। लड़की एक नाबालिग लड़के के साथ आपसी सहमति से संबंध के बाद प्रेग्नेंट हुई थी। नाबालिग की मां ने मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट में तय समयसीमा से आगे जाकर बेटी के अबॉर्शन की इजाजत मांगी थी। लड़की ने भी कहा था कि वह प्रेग्नेंसी जारी नहीं रखना चाहती।

एससी ने कहा- कोर्ट वही करेगा जो महिला के हित में बेहतर होगा

कोर्ट ने कहा कि अगर अदालतें अनचाही गर्भावस्था को जारी रखने पर जोर देंगी, तो महिलाएं अवैध अबॉर्शन सेंटर्स का सहारा लेने या छिपकर गर्भपात कराने को मजबूर हो सकती हैं। इससे उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा बढ़ जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने जोर देकर कहा कि ऐसे मामलों में संवैधानिक अदालतों को यह देखना चाहिए कि गर्भवती महिला के हित में क्या बेहतर है, खासकर तब जब गर्भ स्पष्ट रूप से अनचाहा हो। अंत में कोर्ट ने नाबालिग का एम्स दिल्ली में सभी जरूरी मेडिकल सावधानियों के साथ अबॉर्शन कराने का निर्देश दिया।

हम एक ही जहाज के मुसाफिर डूबेंगे तो साथ डूबेंगे: एनएसए

- मुस्लिम समुदाय के चुनिंदा लोगों के साथ बैठक में बोले एनएसए अजीत डोभाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और भारतीय मुस्लिम समुदाय के चुनिंदा लोगों के बीच प्रधानमंत्री कार्यालय में बीते 18 अप्रैल को एक मीटिंग हुई थी। इस मीटिंग में मुस्लिम समुदाय से आने वाले अलग-अलग क्षेत्रों के लोग शामिल थे। इस बैठक के दौरान एनएसए ने कहा कि भारत में रहने वाले हिंदू और मुसलमान एक ही जहाज के मुसाफिर की तरह हैं। आपको बता दें कि इस बैठक का उद्देश्य पारंपरिक वोट-बैंक की राजनीति से परे हटकर मुस्लिम समुदाय के विकास, शिक्षा और उद्यमिता के भविष्य पर चर्चा करना था। डोभाल ने कहा, हम (हिंदू और मुसलमान) एक ही जहाज पर सवार हैं। हम या तो साथ तैरेंगे या साथ डूबेंगे! इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व प्रसिद्ध शिक्षाविद् ने किया।

रिश्वत लेते प्रखंड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी गिरफ्तार

पटना/रोहतास। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, बिहार की टीम ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए रोहतास जिले के राजपुर प्रखंड के सहकारिता प्रसार पदाधिकारी जनार्दन कुमार को 10 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, निगरानी थाना कांड संख्या 049/26, दिनांक 22 अप्रैल 2026 के तहत शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायतकर्ता प्रशांत कुमार ने आरोप लगाया था कि धान अधिप्राप्ति से संबंधित पैक्स के भौतिक सत्यापन प्रतिवेदन भेजने के एवज में उनसे रिश्वत की मांग की जा रही थी। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने शिकायत का सत्यापन कराया, जिसमें आरोप सही पाए गए। इसके बाद पुलिस

उपाधीक्षक अरविंद कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर जाल बिछाया गया।

24 अप्रैल 2026 को कार्रवाई करते हुए टीम ने जनार्दन कुमार को राजपुर स्थित न्यू रॉयल हॉस्पिटल के समीप सड़क किनारे 10 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी से पूछताछ की जा रही है और आगे की विधिक कार्रवाई जारी है। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने स्पष्ट किया है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

रासुका खत्म लेकिन जेल से नहीं मिलेगी रिहाई!

- अब एक अन्य मामले में गिरफ्तार हुआ अमृतपाल सिंह

चंडीगढ़ (एजेंसी)। अमृतसर पुलिस ने गुरुवार को खडूर साहिब से निर्दलीय लोकसभा सांसद अमृतपाल सिंह को असम की डिब्रूगढ़ जेल से औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी उसके खिलाफ लगाए गए राष्ट्रीय सुरक्षा कानून की मियाद पूरी होने के बाद, अजनाला पुलिस स्टेशन में हुई हिंसा के मामले में की गई है। गिरफ्तारी के बाद अमृतपाल सिंह को डिब्रूगढ़ से ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अजनाला की सब-डिविजनल कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस ने मामले की आगे की जांच के लिए कोर्ट से 15 दिन की रिमांड मांगी थी।

पूर्व सेना चीफ एमएम नरवणे का बड़ा बयान,राहुल ने अलग ही दावा किया था

चीन गतिरोध में सरकार ने हमें कभी अकेला नहीं छोड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व आर्मी चीफ चीफ जनरल एमएम नरवणे ने गुरुवार को कहा कि 2020 में चीन के साथ गतिरोध में सरकार ने सेना को अकेला नहीं छोड़ा था। सरकार पूरी तरह से सपोर्ट में थी और पूरा अधिकार दिया था कि हालात बिगड़ने पर चीनी सैनिकों पर गोलियां चला सकें। जनरल नरवणे ने गुरुवार को कुछ चैनल्स को दिए इंटरव्यू में अपनी किताब 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' से जुड़े विवादों पर बात की। इंडिया टुडे से बातचीत में कहा, 'जो उचित समझो वह करो' टिप्पणी सशस्त्र बलों पर सरकार के पूरे भरोसे को दर्शाती है और इस पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। जमीनी स्थिति का जवाब देने के लिए सशस्त्र बलों को फ्री हैंड दिया गया था। दरअसल, राहुल गांधी ने 2 और 3 फरवरी को संसद में नरवणे की किताब 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' का हवाला देकर चीन घुसपैठ और अग्निवीर योजना के रीव्यू का मुद्दा उठाया था।

नरवणे बोले- अगर सरकार को कुछ सही नहीं लगा तो ठीक है

जब उनकी पुरानी किताब को अभी तक रक्षा मंत्रालय से क्लियरेंस न मिलने को लेकर पूछा गया, तो उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि मेरी किताब में कुछ बहुत संवेदनशील था, लेकिन अगर सरकार को लगा कि कुछ बातें सही नहीं बैठ रही हैं, तो ठीक है।' आगे भारत-चीन सीमा विवाद पर उन्होंने कहा कि रेचिन ला में सेनाएं आमने-सामने थीं, लेकिन सबसे बड़ी बात यह है कि हमने स्थिति को और बिगड़ने नहीं दिया और अपने लक्ष्यों को हासिल किया। पूर्व सेना प्रमुख ने सरकार की अग्निपथ योजना पर बताया, 'जब भी कोई नई पॉलिसी आती है, तो उस पर चर्चा होती है। मैंने चर्चा के दौरान अपनी साफ और बेबाक राय रखी थी।

संक्षिप्त समाचार

होमगार्ड जवान पर जानलेवा हमला और लूट का आरोप, वर्दी में रील वायरल, पटना के आलमगंज थाने में तैनात

हाजीपुर। बिहार में वर्दी पहनकर रील बनाने पर प्रतिबंध के बावजूद होमगार्ड जवान आनंद कुमार का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जवान पर एक युवक पर जानलेवा हमला करने और लूटपाट का भी गंभीर आरोप है। यह घटना वैशाली जिले की है। आरोप है कि 14 नवंबर 2024 की शाम करीब 5 बजे आनंद कुमार और उसके साथियों ने एक युवक पर जानलेवा हमला किया। युवक के बेहोश होने के बाद उसकी जेब से 30 हजार रुपये छीन लिए गए थे। इस संबंध में महनार थाने में कांड संख्या 433/24 दर्ज किया गया है। आरोप है कि नौकरी मिलने के बाद आनंद कुमार रील वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर लोगों को धमका रहा है।

आनंद कुमार मूल रूप से वैशाली जिले के महनार थाना क्षेत्र के टारा चौरी का निवासी है और वर्तमान में पटना जिले के आलमगंज थाने में होमगार्ड जवान के पद पर तैनात है। वायरल वीडियो में आनंद कुमार वर्दी पहने गाड़ी में बैठकर एक भोजपुरी गीत पर झूमते हुए दिख रहा है। एक अन्य वायरल वीडियो में वह ड्यूटी के दौरान राइफल के साथ ओवरब्रिज पर खड़ा है। पुलिस मैनुअल का उल्लंघन कर वर्दी में वीडियो बनाने की यह प्रवृत्ति लगातार जारी है। ऐसे मामलों में वरीय अधिकारी कार्रवाई करते रहे हैं, लेकिन यह सिलसिला थम नहीं रहा। अब देखना होगा कि आलमगंज थाने में तैनात होमगार्ड जवान आनंद कुमार पर इस वायरल वीडियो और आरोपों को लेकर क्या कार्रवाई की जाती है।

ऑपरेशन के बाद नवजात की मौत, डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप, परिजन ने किया हंगामा

हाजीपुर। वैशाली के महुआ थाना क्षेत्र स्थित आलोक हॉस्पिटल में ऑपरेशन के बाद एक नवजात की मौत हो गई। इस घटना से आक्रोशित परिजनों ने मंगरू चौक के पास करीब डेढ़ घंटे तक सड़क जाम कर हंगामा किया, जिससे आवागमन बाधित हो गया। सूचना मिलने पर महुआ थाने के पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर स्थिति को शांत कराया। महुआ थाना क्षेत्र के छितरौली गांव निवासी अमोद कुमार सिंह की बेटी नेहा कुमारी को डिलीवरी के लिए मंगरू चौक स्थित आलोक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। सामान्य प्रसव न होने पर ऑपरेशन के जरिए बच्चे का जन्म हुआ था, जिससे परिवार में खुशी का माहौल था। परिजनों ने आरोप लगाया है कि डॉक्टर की लापरवाही के कारण जन्म के कुछ ही मिनट बाद नवजात की मौत हो गई। उनका कहना है कि डॉक्टर ने बच्चे का उचित उपचार नहीं किया और परिजनों को यह कहकर सौंप दिया कि बच्चे की स्थिति ठीक नहीं है, इसे दूसरे अस्पताल ले जाकर इलाज कराएं। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि अस्पताल ने उन्हें बच्चे को दूसरे अस्पताल ले जाने के लिए न तो कोई साधन उपलब्ध कराया और न ही कोई कर्मी साथ भेजा। उल्लेखनीय है कि नवजात के पिता की दो महीने पहले सड़क हादसे में मौत हो गई थी, जिसके बाद नेहा कुमारी अपने मायके में रह रही थीं। विवाद बढ़ने पर अस्पताल संचालक मौके पर पहुंचे और कुछ रुपए देकर मामले को शांत कराया। आक्रोशित लोगों ने आरोप लगाया कि डॉक्टर लापरवाही बरत रहे हैं, जिससे अस्पतालों में जानें जा रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जिले भर में अवैध अस्पतालों और बिना डिग्री वाले डॉक्टरों के खिलाफ जिला प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई अब ठंडे बस्ते में पड़ गई है।

गर्लफ्रेंड को घर में घुसकर मारी गोली, फिर खुद को शूट कर किया सुसाइड, लड़की की शादी तय होने से था नाराज

हाजीपुर। वैशाली में एक युवक ने घर में घुसकर पहले युवती को गोली मारी, फिर खुद को भी गोली मार ली। इस घटना में युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि युवती घायल है और हाजीपुर सदर अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। मृतक की पहचान पंकज सहनी (24) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि युवती गंगा कुमारी (19) की शादी तय हो गई थी, जिससे वह नाराज था। हालांकि, युवती के पिता ने दोनों के बीच किसी भी तरह के संबंध से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि रुपए लूटने के लिए घर में घुसा था, जिसका मेरी बेटी ने विरोध किया था। फिलहाल पुलिस ने माले की जांच शुरू कर दी है। FSL की टीम को भी बुलाया गया है।घटना भगवानपुर थाना क्षेत्र के इमादपुर गांव की है। गुरुवार शाम करीब 7 बजे गंगा कुमारी घर में अकेली थी। उसके पिता उपेंद्र सहनी किसी काम से बाहर गए हुए थे। इसी दौरान पंकज घर में घुसा और दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई। इसके बाद पंकज ने गंगा को गोली मार दी। घटना के तुरंत बाद उसने खुद को भी गोली मार ली। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और देखते ही देखते भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने दोनों परिवारों को घटना की सूचना दी। लड़की के पिता उपेंद्र सहनी ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी की शादी अगले महीने तय थी। घर में शादी के लिए करीब चार लाख रुपए रखे थे, जिसकी जानकारी पंकज को थी। उनके मुताबिक, वह रुपए लूटने के इरादे से घर में घुसा था। बेटी ने विरोध किया तो पंकज ने उसे गोली मार दी। पिता ने प्रेम प्रसंग की बात से इनकार करते हुए कहा कि पंकज आपराधिक प्रवृत्ति का था। वह हाल ही में जेल से बाहर आया था। परिजनों के अनुसार, पंकज ने घर के अंदर एक गोली चलाई और बाहर निकलते समय दूसरी गोली चलाई, जो मिसफायर होकर उसी को लग गई।

नाबालिग से गैंगरेप, मुख्य आरोपी फरार, आयुष पहले भी छेड़खानी मामले में चार्जशीटेड रहा है

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले के कथैया थाना क्षेत्र में नाबालिग लड़की(15) से गैंगरेप मामले में नामजद आरोपी कुमोद कुमार की गिरफ्तार हुई, जबकि मुख्य आरोपी आयुष कुमार यादव अभी भी फरार है। घटना 22 अप्रैल 2026 की की। जानकारी के अनुसार, आरोपियों ने नाबालिग को उसके घर से जबरन अगवा कर लिया। इसके पास एक सुनसान बगीचे में ले जाकर गलत काम किया। पीड़िता की स्थिति और परिजनों की शिकायत पर पुलिस तुरंत हरकत में आई। SSP कांतेश कुमार मिश्रा ने मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम का गठन किया है। मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी और संभावित ठिकानों पर दबिश देने के निर्देश दिए हैं। आयुष देवरिया थाना क्षेत्र में छेड़खानी के एक पुराने मामले में भी चार्जशीटेड है। पुलिस जांच में पता चला है कि आयुष का आपराधिक रिकॉर्ड पुराना है। वह आदतन छेड़खानी जैसी घटनाओं में संलिप्त रहा है। वर्ष 2022 में उसके खिलाफ मुजफ्फरपुर के ही देवरिया थाना में छेड़खानी का मामला (कांड संख्या 143/22) दर्ज किया गया था। इस मामले में पुलिस पहले ही चार्जशीट दाखिल कर चुकी है। बावजूद इसके, आरोपी के हौसले बुलंद थे, जिसने इस बार गैंगरेप जैसी गंभीर वारदात को अंजाम दिया। ग्रामीणों ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी सजा की मांग की है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। फरार आरोपी को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम छापेमारी कर रही है।

पटना में मां की फटकार के बाद पुल से कूदी युवती

एजेंसी, पटना

♦ मां बोली- मेरे कोर्ट जाते ही वो घूमने निकल जाती थी इसलिए डांटा

पटना के पिरबहोर इलाके के अशोक राजपथ स्थित डबल डेकर पुल से छलांग लगाने वाली युवती की पहचान शिवहर के तरियानी की रहने वाली ज्ञानति (24) के तौर पर हुई है। परिजन ने पुलिस की पूछताछ में बताया है कि गुरुवार सुबह वह घर से लापता हो गई थी। इस बारे में लोकल थाने पर शिकायत करने वाले थे। तब तक पटना से उसके अटैंप्ट टू सुसाइड की जानकारी मिल गई।

कोर्ट में अधिकार मित्र है मां: ज्ञानती की मां शिवहर सिविल कोर्ट में अधिकार मित्र हैं। उनका कहना है कि वह कोर्ट चली जाती थी, तो ज्ञानती घूमने निकल जाती थी। इसी बात को लेकर डांट फटकार लगाई थी। इससे नाराज होकर ज्ञानती घर से निकल गई। मां मेनिका कुमारी ने बताया मैंने रिश्तेदारों की यहां पता किया, लेकिन कुछ भी खबर नहीं मिली। इसी बीच पटना से मेरे पास एक कॉल आया और बताया गया कि आपकी बेटी ने डबल डेकर पुल से छलांग लगा दी है। इसी सूचना के आधार पर पटना पहुंची हूं। फिलहाल उसका इलाज जारी है।

होश में आई है युवती: पुलिस के मुताबिक, युवती होश में आ गई है। हालांकि अभी कुछ बात नहीं पा रही है। उसे पूछने की कोशिश की जा रही है। जैसे वह बताने की स्थिति में आती है। उसके बयान के आधार पर आगे की छानबीन की जाएगी। पटना सेंट्रल SP दीक्षा ने बताया कि लड़की इलाजरत है। पूछताछ की जा रही है। अगर गंभीर अपराध की जानकारी मिलेगी, तो FIR दर्ज करके आगे की कार्रवाई की जाएगी। दरअसल, गुरुवार को युवती 55 फीट ऊंचे डबल डेकर पुल की रेलिंग पर काफी देर तक बैठी रही। वो इधर-उधर देख रही थी। पुल के नीचे काफी संख्या में भीड़ जुटी थी। अचानक पुल पर युवती ने किसी को देखा। जिसके बाद उसने पुल नीचे छलांग लगा दी। पुल के नीचे मौजूद लोगों ने युवती को जमीन पर गिरने नहीं दिया। लोगों ने उसे हवा में पकड़ लिया। इस वजह से उसकी जान बच गई।

'बिहार पर सिर्फ 35% जीएसडीपी कर्ज, बेहतर आर्थिक स्थिति'

एजेंसी, पटना

❐ तेजस्वी यादव पर बीजेपी का हमला, कहा- गाल फाड़कर न बोलें, भाजपा ने दिखाया चार्ट

बिहार के ऊपर कर्ज और आर्थिक स्थिति को लेकर बयानबाजी तेज हो गई है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के बयान के बाद भाजपा प्रवक्ताओं ने आज पार्टी कार्यालय में इस विषय पर एक दूसरे के साथ चर्चा की। सोशल मीडिया पर एक चार्ट जारी किया गया। चार्ट में बताया कि बिहार अपने GSDP के मात्र 35% के करीब कर्ज में है, जो बिहार की मजबूत आर्थिक स्थिती को दर्शाती है। भाजपा प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा, तेजस्वी यादव इन दिनों गला फाड़-फाड़ बोल रहे हैं कि बिहार के ऊपर चार लाख दस हजार करोड़ का कर्ज है। आज इसी विषय पर हमलोगों ने मीडिया कार्यालय में चर्चा की और बताया कि बिहार से बहुत ज्यादा कर्ज अन्य दूसरे राज्यों ने लिया है, जिनकी आबादी बिहार से बहुत कम है।

तेजस्वी का आरोप- खजाना खाली, विकास पर संकट: आज सदन में तेजस्वी यादव ने बिहार की आर्थिक स्थिति और कर्ज को लेकर सवाल उठाए। तेजस्वी ने कहा कि बिहार पर करीब 4 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। सरकार का खजाना खाली हो चुका है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सरकार के पास पैसे ही नहीं होंगे, तो विकास कार्य कैसे होंगे। तेजस्वी ने यह भी कहा कि पेंशन जैसी बुनियादी जरूरतों के लिए भी संसाधनों की कमी बताई जा रही है, जिससे राज्य की आर्थिक स्थिति पर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने सरकार से स्पष्ट दृष्टि और कार्ययोजना बताने की मांग की। तेजस्वी यादव ने राजनीतिक स्थिरता को विकास के लिए जरूरी बताते हुए कहा कि बिहार में पिछले पांच साल में पांच सरकारें बनीं। उन्होंने तंज कसते हुए पूछा कि आखिर बार-बार ऐसी स्थिति क्यों बनती है। तेजस्वी यादव ने भाजपा-जदयू गठबंधन के चुनावी नारे '2025 से 30 फिर से नीतीश' पर भी सवाल उठाया।

पालीगंज में बुलेट पेड़ से टकराया एक की मौत, दो घायल

एजेंसी, पटना

♦ शादी समारोह से लौटते समय हुआ हादसा, परिवार में मातम

पटना जिले के पालीगंज अनुमंडल क्षेत्र में शुक्रवार सुबह तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। लालगंज-सेहरा गांव के पास एक बुलेट मोटरसाइकिल सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान अरवल जिले के किंजर गांव निवासी शाहनवाज आलम के रूप में हुई है। हादसे में गुड्डी कुमारी और अरविंद कुमार घायल हैं।

शादी से लौट रहे थे तीनों: बताया जा रहा है कि तीनों एक ही बाइक पर सवार होकर अरवल के किंजर गांव से पालीगंज की ओर एक शादी समारोह से लौट रहे थे। इसी दौरान अचानक बाइक का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई।

एक की मौके पर मौत, दोनों घायल पटना रेफर: जोरदार टक्कर के बाद तीनों सड़क पर गिर पड़े। स्थानीय लोगों ने तुरंत घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने शाहनवाज आलम को मृत घोषित कर दिया। घायलों को पहले पालीगंज अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया है।

'संगठन मजबूत होगा तो राजद का समय आएगा'

एजेंसी, पटना

❐ पंचायती राज दिवस पर तेजस्वी यादव बोले- फूल-माला पर खर्च न करें, आकर गले मिल लें

पंचायती राज दिवस पर शुक्रवार को RJD कार्यालय के कर्पूरी सभागार में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का अभिनंदन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में राजद के प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल, पार्टी के राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। समारोह का उद्देश्य पंचायत स्तर पर संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाना था। कार्यक्रम में पहुंचे तेजस्वी यादव ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, उनके पास समय कम है क्योंकि उन्हें थोड़ी देर में बंगाल के लिए रवाना होना है, लेकिन फिर भी वे कार्यकर्ताओं से कुछ जरूरी बातें साझा करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, इतनी भीषण गर्मी में कार्यकर्ताओं का बड़ी संख्या में पहुंचना यह दिखाता है कि पार्टी के प्रति समर्पण और प्रतिबद्धता मजबूत है।

संगठन मजबूत होगा तभी पार्टी आगे बढ़ेगी: तेजस्वी यादव ने कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि वे संगठन को मजबूत करें, क्योंकि जब संगठन मजबूत होगा तभी पार्टी आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा, जिस दिन हमलोग गोलबंद होकर मजबूती से काम करेंगे, उस दिन हमारा भी समय आएगा। उन्होंने राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था पर निशाना साधते हुए कहा, आज जनप्रतिनिधियों का महत्व कम होता जा रहा है और अफसरशाही चरम सीमा पर है। तेजस्वी ने कहा कि आज विधायक और मंत्री तक को उचित सम्मान नहीं मिलता और यदि यह पता चल जाए कि कोई राजद से जुड़ा है तो उसकी बात और भी कम सुनी जाती है।

पिछले चुनाव में राजद के वोटों में 20 लाख की बढ़ोतरी हुई: तेजस्वी यादव ने दावा किया कि पिछले चुनाव में राजद के वोटों में 20 लाख की बढ़ोतरी हुई, लेकिन तंत्र-मंत्र के जरिए छल-कपट कर सरकार बनाई गई। उन्होंने कहा कि पांच साल में पांच सरकारों का बनना राजनीतिक अस्थिरता को दर्शाता है। अपने संबोधन के अंत में तेजस्वी ने कार्यकर्ताओं से कहा कि फूल-माला पर पैसा खर्च करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, फूल-माला लाकर पैसा बर्बाद मत कीजिए, इससे अच्छा है आकर गले मिल लीजिए। उनके इस बयान पर सभागार तालियों से गूंज उठी।

25 अप्रैल को सर्वे के लिए आएगी केंद्रीय टीम

स्वच्छता सर्वेक्षण में पटना नगर निगम की परीक्षा, सिटिजन फीडबैक पर मिलेंगे 1000 अंक

एजेंसी, पटना

पटना नगर निगम स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 के लिए पूरी तैयारियों में लगा हुआ है। पटना में 25 अप्रैल से फील्ड असेस्मेंट शुरू होगा जो कि 31 मई तक चलेगी। सर्वे के लिए केंद्रीय टीम पटना आएगी, जो शहर की जमीनी हकीकत परखेगी। यह सर्वे देश के प्रमुख शहरों की स्वच्छता रैंकिंग तय करेगी। पटना नगर निगम ने गार्बेज फ्री सिटी में फाइव स्टार रैंकिंग के लिए आवेदन किया है। इस साल रैंकिंग कुल 12500 अंकों के आधार पर तय होगी।

सिटिजन फीडबैक पर मिलेंगे 1000 अंक: इस सर्वे में 10 प्रमुख सेक्शन, 54 इंडिकेटर और 166 सब-इंडिकेटर शामिल हैं। इस बार सिटिजन फीडबैक की अहमियत बढ़ा दी गई है। पहले जहां 500 अंक निर्धारित थे, अब इसे बढ़ाकर 1000 अंक कर दिया गया है। नागरिकों से 12 सवालों के जरिए फीडबैक लिया जाएगा, जिससे शहर की वास्तविक सफाई व्यवस्था का आंकलन होगा। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में अंक तीन हिस्सों में बांटे गए हैं। ODF और वाटर प्लस के लिए 1000 अंक, गार्बेज फ्री सिटी के लिए 1000 अंक और फील्ड असेस्मेंट के लिए 10,500 अंक तय है।

रेड स्पॉट और येलो स्पॉट पर विशेष नजर: फील्ड असेसमेंट के दौरान रेड स्पॉट और येलो स्पॉट पर विशेष अंक कटते हैं। इसे देखते हुए पटना नगर निगम ने सख्ती बढ़ाई है। खुले में शौच करने, गंदगी फैलाने और पान-तंबाकू थूकने वालों पर 500 रुपए तक जुर्माने का प्रावधान किया गया है। ऐसे लोगों को 'नगर शत्रु' की श्रेणी में रखा गया है। आईसीसीसी और निगम की टीमें प्रमुख स्थानों पर लगातार निगरानी कर रही हैं। दीवारों पर पेंटिंग, सड़कों की सफाई, डिवाइडर का रंग-रोगन और सार्वजनिक स्थलों का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। सभी अंचलों में व्यापक सफाई अभियान शुरू कर दिया गया है। नालों और बैकलेन की सफाई कराई जा रही है। इसके साथ ही कचरा पॉइंट को खत्म किया जा रहा है। पिछले साल 650 कूड़ा प्वाइंट खत्म किए गए थे, इस बार 85 और प्वाइंट हटाए गए हैं।

नगर निगम डेस्क असेस्मेंट में पहले ही सफल हो चुका है और दिए गए आंकड़ों के आधार पर फाइव स्टार के लिए क्वालिफाइ कर गया है। यदि नगर निगम की ओर से गलत या बढ़ा-चढ़ाकर जानकारी दी गई तो अंकों में कटौती की जाएगी। इस बार स्वच्छता सर्वेक्षण की थीम 'स्वच्छता की नई पहल–बढ़ाएं हाथ, करें सफाई साथ' रखी गई है। साल 2024-25 में पटना को 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में 21वां स्थान मिला था। वहीं गार्बेज फ्री सिटी में तीन स्टार की रेटिंग प्राप्त हुई थी। 1 अप्रैल से नई व्यवस्था के तहत डोर टू डोर कचरा उठाव में चार अलग-अलग डस्टबीन का उपयोग अनिवार्य किया गया है, लेकिन, लोग अभी भी कचरा अलग-अलग करके नहीं दे रहे हैं। कई जगह नियमित कचरा उठाव नहीं होने से लोग खुले में कचरा फेंक देते हैं। स्ट्रीट वेंडर भी दुकान बंद करने के बाद कचरा सड़क पर छोड़ देते हैं। वहीं, रामाचक बैरिया में कचरा प्रोसेसिंग प्लांट अब तक शुरू नहीं हो पाया है। इन कमियों का सीधा असर शहर की रैंकिंग पर पड़ सकता है।

महावीर मंदिर में आज मनाई जाएगी जानकी नवमी, माता जानकी का होगा विशेष श्रृंगार

एजेंसी, पटना

महावीर मन्दिर में कल धूमधाम से जानकी नवमी मनाई जाएगी। इसे लेकर मंदिर में विशेष सजावट और पूजा होगा। मंदिर में पूजा सुबह 8 बजे से शुरू हो जाएगी। पूजा सम्पन्न होने के बाद 24 घंटे का 'अष्टयाम कीर्तन' होगा। माता जानकी का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। महावीर मंदिर में प्राचीन परंपरा के अनुसार विशिष्ट पूजा पद्धति से माता जानकी का पूजन होगा। यह पूजा का कार्यक्रम मंदिर के दक्षिण-पूर्व कोण पर स्थित राम-जानकी की प्रतिमा के समक्ष होगा। पूजा के बाद हवन और आरती होगी। भक्त कतारबद्ध होकर दर्शन कर सकते हैं।

माता सीता के प्रकाट्य दिवस पर जानकी नवमी मनाने का विधान: पंडित भवनाथ झा ने कहा कि, 'माता सीता के प्रकट होने के उपलक्ष्य में धर्मशास्त्रियों ने जानकी-नवमी मनाने का विधान किया है। इस दिन व्रत और जानकी की विशेष पूजा करना का विधान है। जगद्गुरु रामानन्दाचार्य कृत वैष्णवमताब्जभास्कर में जानकी नवमी व्रत का उल्लेख किया गया है। इस प्रसंग में रामानन्दाचार्य कहते हैं कि वैशाख मास में शुक्ल पक्ष में पुष्य नक्षत्र से युक्त नवमी तिथि में श्रीजनक ने हल से क्षेत्र को जोता; इससे सीता उत्पन्न हुई। इस अवसर पर व्रत करना चाहिए।' श्री महावीर स्थान न्यास समिति के सचिव सायण कुणाल ने कहा कि, 'महावीर मंदिर में आयोजित होने वाली सभी अनुष्ठान-त्योहार का विशेष ध्यान रखा जाता है। भक्तों को भी मंदिर में आयोजित होने वाले अनुष्ठान-त्योहार का आदि का इंतजार रहता है। इस वजह से हर छोटे से बड़े त्योहार का आयोजन धूमधाम से किया जाता है।'

पटना में बीपीएससी परीक्षा में गड़बड़ी, चिट के पुर्जे बरामद

एजेंसी, पटना

पटना में बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC) द्वारा आयोजित सहायक लोक स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन पदाधिकारी परीक्षा में गड़बड़ी का मामला सामने आया है। इस दौरान एक महिला बायोमेट्रिक कर्मी और एक अभ्यर्थी को पकड़कर गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार महिला कर्मी की पहचान वैशाली निवासी अंशुप्रिया, जबकि अभ्यर्थी की पहचान नालंदा के रौशन कुमार के रूप में हुई है।

एएन कॉलेज सेंटर पर पकड़ा गया मामला: घटना एएन कॉलेज पटना स्थित परीक्षा केंद्र की है। इस मामले में सेंटर सुपरीटेंडेंट शैलेश कुमार सिंह की ओर से शिकायत दर्ज कराई गई है। उनके आवेदन के मुताबिक, 23 अप्रैल को AN कॉलेज स्थित परीक्षा भवन के हॉल नम्बर 4, सीट नम्बर 59 पर रोशन कुमार नाम का परीक्षार्थी बैठा था, जिसका रोल नंबर 217939 है।

परीक्षा के दौरान वीक्षक को अभ्यर्थी की गतिविधि संदिग्ध लगी। तलाशी लेने पर उसके पास से 'G' सीरीज प्रश्न पत्र के उत्तर के चिट बरामद हुए। तलाशी के दौरान रोशन कुमार के पास से G सीरीज प्रश्न पत्र के उत्तर के पुर्जे मिले। वीक्षक प्रमोद कुमार और राजेश्वरी प्रसाद सिंह की ओर से बताया गया कि उत्तर के पुर्जे बायोमेट्रिक मशीन की महिला कर्मी अंशु प्रिया ने उपलब्ध कराया गया था। अभ्यर्थी के पास से चिट के पुर्जे, OMR शीट, प्रवेश पत्र, आईडी कार्ड और आधार कार्ड समेत अन्य दस्तावेज बरामद किए गए हैं।

आईजीआईएमएस में अल्ट्रासाउंड के लिए 3 महीने की वेटिंग, व्यवस्था पर सवाल

एजेंसी, पटना

पटना के इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (IGIMS) में मरीजों को इलाज और जांच के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कैंसर, किडनी समेत गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को साधारण जांच के लिए भी घंटों दौड़-भाग करनी पड़ रही है, जबकि कई जांचों के लिए महीनों तक इंतजार करना पड़ रहा है। अस्पताल में जांच प्रक्रियाएं जटिल हैं, जिसके कारण मरीजों को कई चरणों से गुजरना पड़ता है। अल्ट्रासाउंड जैसी महत्वपूर्ण जांच के लिए मरीजों को तीन महीने तक इंतजार करना पड़ रहा है।

एक जांच के लिए 5 घंटे, कई विभागों के चक्कर: एक मरीज के परिजन ने बताया कि FNAC (फाइन नीडल एस्पिरेशन साइटोलॉजी) जांच कराने में करीब पांच घंटे लग गए। सबसे पहले सैंपल स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट (SCI) में लिया गया, फिर उसे जमा करने के लिए रेडियोलॉजी विभाग भेजा गया, जो करीब 200 मीटर दूर है। वहां बिल की फोटोकॉपी मांगी गई, जिसके लिए उन्हें अस्पताल से बाहर जाना पड़ा। इसके बाद सैंपल को पुरानी बिल्डिंग की दूसरी मंजिल स्थित माइक्रोबायोलॉजी विभाग में जमा करने को कहा गया, जो कैंसर विभाग से लगभग 200 मीटर की दूरी पर है। इस तरह एक ही जांच के लिए मरीजों और उनके परिजनों को अलग-अलग भवनों के कई चक्कर लगाने पड़े। परिजनों ने बताया कि गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों के लिए इतनी भागदौड़ करना उनकी शारीरिक स्थिति को और अधिक प्रभावित कर रहा है।

मरीज खुद ढो रहे सैंपल, बढ़ रही परेशानी: अस्पताल की व्यवस्था का बड़ा सवाल यह है कि कई मामलों में मरीजों या उनके परिजनों को खुद ही सैंपल लेकर एक विभाग से दूसरे विभाग जाना पड़ता है। कागजी औपचारिकताएं—बिल की कॉपी, अलग-अलग काउंटर पर जमा, बार-बार लाइन लगना, इससे परेशानी और बढ़ जाती है। इस पूरी प्रक्रिया में न सिर्फ समय बर्बाद होता है, बल्कि प्रक्रिया में लंबा वक्त बीतने से मरीज की स्थिति खतरनाक हो जाती है। खासकर तब, जब वह कैंसर या अन्य गंभीर बीमारी से पीड़ित हो।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा नेताओं ने पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर जताया विश्वास, परिवर्तन का किया दावा

बीएनएम @ मोतिहारी। उद्योगपति एवं भाजपा नेता यमुना सिकरिया तथा किसान मोर्चा बिहार के पूर्व अध्यक्ष एवं भाजपा प्रवक्ता अखिलेश सिंह द्वारा पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर यमुना सिकरिया ने पश्चिम बंगाल में प्रथम चरण के मतदान में हुई अधिक मतदान प्रतिशत के लिए वहां की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह मतदान परिवर्तन की ओर स्पष्ट संकेत कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनने जा रही है। वहीं भाजपा प्रवक्ता अखिलेश सिंह ने कहा कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी सरकार से समाज के सभी वर्ग त्रस्त हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि महिलाओं की सुरक्षा की स्थिति चिंताजनक है तथा युवाओं को रोजगार के अवसर नहीं मिल रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार ने नारी सशक्तिकरण से जुड़े विधेयकों का विरोध किया है, जिससे जनता में असंतोष है। अखिलेश सिंह ने आगे कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता मौजूदा सरकार से मुक्ति चाहती है और भाजपा के पक्ष में खुलकर मतदान कर रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह की "सबका साथ, सबका विकास" की नीति पर जनता के विश्वास को दोहराते हुए दावा किया कि राज्य में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनने जा रही है।

शांतिपूर्ण माहौल में प्रारंभ हुई स्नातक पंचम सेमेस्टर की परीक्षा

मुंशी सिंह महाविद्यालय बना प्रमुख परीक्षा केंद्र

बीएनएम @ मोतिहारी। बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के तत्वावधान में स्नातक (सीबीसीएस) पंचम सेमेस्टर, सत्र 2023–27 की परीक्षा 24 अप्रैल 2026 से जिलेभर में शांतिपूर्ण एवं कदाचार-मुक्त वातावरण में शुरू हो गई। इस क्रम में मुंशी सिंह महाविद्यालय, मोतिहारी को एस.आर.ए.पी कॉलेज, चकिया, मोतिहारी डिग्री इवनिंग कॉलेज, मोतिहारी, के.एस.आर.एन. डिग्री कॉलेज, मठिया तथा एस.एन.एस.आर.एन.एस. डिग्री कॉलेज, केसरिया के परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा केंद्र बनाया गया है। परीक्षा के प्रथम दिन पहली पाली में मेजर ग्रुप-ए के अंतर्गत राजनीति विज्ञान, दर्शनशास्त्र, प्राचीन भारतीय इतिहास, अंग्रेजी एवं रसायन शास्त्र विषयों की परीक्षा आयोजित हुई, जिसमें कुल 635 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। वहीं दूसरी पाली में मेजर ग्रुप-बी के अंतर्गत भूगोल, अकाउंट्स, अर्थशास्त्र, उर्दू, बॉटनी एवं संस्कृत विषयों की परीक्षा संपन्न हुई, जिसमें 989 परीक्षार्थियों ने भाग लिया। पूरी परीक्षा प्रक्रिया कदाचार-मुक्त, अनुशासित एवं शांतिपूर्ण माहौल में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। महाविद्यालय प्रशासन द्वारा परीक्षा की शुचिता एवं सुचारु संचालन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्व से ही सुनिश्चित की गई थीं। यह जानकारी महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. एम.एन. हक एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. मशहूर अहमद के हवाले से मीडिया प्रभारी डॉ. गौरव भारती ने दी।

मोटरसाइकिल चोरी कांड का खुलासा, 3 अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। तुरकौलिया थाना क्षेत्र में दर्ज मोटरसाइकिल चोरी के एक मामले का पुलिस ने सफलतापूर्वक उद्भेदन करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में तुरकौलिया थाना कांड संख्या 202/26, दिनांक 18 अप्रैल 2026 को अज्ञात चोरों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस द्वारा किए जा रहे अनुसंधान के क्रम में मिली गुप्त सूचना के आधार पर 24 अप्रैल को एक विशेष टीम का गठन कर हरसिद्धि थाना क्षेत्र के चैनपुर वृतिया टोला में छापेमारी की गई। इस दौरान चोरी की गई एक मोटरसाइकिल बरामद करते हुए घटना में संलिप्त तीन आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों में आलोक कुमार, पिता पप्पू यादव, निवासी धवही, थाना हरसिद्धि; गुड्डू राम, पिता चुम्बन राय, निवासी चैनपुर वृतिया टोला, थाना हरसिद्धि; एवं रोहित कुमार, पिता दीनदयाल सहनी, निवासी जयसिंहपुर घोड़ाघाट, थाना तुरकौलिया शामिल हैं। तीनों अभियुक्त पूर्वी चंपारण जिले के रहने वाले बताए गए हैं। पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी आलोक कुमार के विरुद्ध विभिन्न थानों में आर्म्स एक्ट, डकैती तथा मद्यनिषेध अधिनियम से संबंधित कई मामले पूर्व से दर्ज हैं। वहीं गुड्डू राम पर भी आर्म्स एक्ट के तहत पूर्व में मामला दर्ज होने की जानकारी मिली है। इस कार्रवाई में पु0नि0 धर्मवीर भारती, थानाध्यक्ष सम्पत कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मियों की सक्रिय भूमिका रही। पुलिस द्वारा गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

विवादित जमीन से पेड़ काटते तीन गिरफ्तार, देसी कट्टा व गोली बरामद

बीएनएम @ बेतिया। इनरवा थाना क्षेत्र के घोड़पकड़ी गांव में विवादित जमीन से पेड़ काटने के दौरान पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। मौके के पास झाड़ी से एक देसी कट्टा एवं जिंदा गोलियां भी बरामद की गई हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 23 अप्रैल 2026 को बृजेश पासवान की विवादित जमीन पर कुछ लोग पेड़ काट रहे थे। सूचना मिलने पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान घटनास्थल के पास झाड़ी में रखे पीले रंग के झोले से एक देसी कट्टा एवं पांच जिंदा गोलियां बरामद की गईं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राघवेंद्र भारती, पिता स्वर्गीय रामचंद्र भारती, कुणाल भारती, पिता राघवेंद्र भारती तथा देवेंद्र कुमार भारती, पिता राघवेंद्र भारती, सभी निवासी ग्राम घोड़पकड़ी, थाना इनरवा, जिला पश्चिम चंपारण के रूप में हुई है। इस संबंध में बृजेश पासवान के आवेदन के आधार पर इनरवा थाना कांड संख्या 64/26 दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि जिले में अपराध नियंत्रण एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

कागजों में चल रहे आंगनबाड़ी केंद्र, जमीनी हकीकत में ताला; पोषाहार घोटाले की आशंका

बीएनएम @ मोतिहारी @ श्रीनिवास कुमार

मोतिहारी। चिरैया प्रखंड क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्रों में सरकारी योजनाओं की हकीकत चौंकाने वाली सामने आई है। कागजों पर जहां बच्चों की भरमार और योजनाओं का सफल संचालन दिखाया जा रहा है, वहीं जमीनी स्तर पर केंद्रों की स्थिति बदहाल नजर आ रही है। फर्जी हाजिरी बनाकर पोषाहार राशि के गबन और योजनाओं को सिर्फ कागजों तक सीमित रखने का बड़ा मामला उजागर हुआ है। शुक्रवार को चिरैया प्रखंड के सेमरा पंचायत स्थित आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 144 की स्थिति बेहद खराब पाई गई। सुबह करीब 9:28 बजे केंद्र पूरी तरह बंद मिला, जबकि वहां न तो सेविका मौजूद थीं और न ही सहायिका। ग्रामीणों ने बताया कि यह केंद्र कभी-कभार ही खुलता है, अधिकतर समय सिर्फ कागजों में ही संचालित दिखाया जाता है। उनका कहना है कि केंद्र से जुड़ी योजनाओं का लाभ लाभुकों तक नहीं पहुंच पा रहा है। गौरतलब है कि आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से गर्भवती महिलाओं और छोटे बच्चों को पौष्टिक आहार, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रावधान है, ताकि उन्हें स्वस्थ और कुपोषण मुक्त रखा जा सके। लेकिन यहां स्थिति इसके बिल्कुल विपरीत है—केंद्र पर हमेशा ताला लटका रहता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि केंद्र बंद रहने के बावजूद कागजों में पोषाहार वितरण और अन्य खर्च दिखाकर सरकार की आंखों में धूल झोंकी जा रही है। बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा देने की जिम्मेदारी भी पूरी तरह से नजरअंदाज की जा रही है, जिससे उनके भविष्य पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। सरकार द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए उपलब्ध कराई गई शैक्षणिक सामग्री का भी सही उपयोग नहीं हो पा रहा है। केंद्रों पर नियुक्त सेविका, सहायिका और सुपरवाइजर की कार्यशैली पर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

क्या कहती हैं जिम्मेदार अधिकारी?

इस संबंध में जब एलएस रागनी कुमारी से बात की गई, तो उन्होंने बताया कि सेविका और सहायिका दोनों छुट्टी पर थीं, इसी कारण केंद्र बंद था। हालांकि सवाल यह उठता है कि क्या एक ही दिन दोनों कर्मियों को छुट्टी देना उचित है? फिलहाल चिरैया प्रखंड के आंगनबाड़ी केंद्रों की बदहाल स्थिति प्रशासनिक जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। अब देखना यह है कि इस मामले में जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा क्या कार्रवाई की जाती है।

4 घंटे में मोबाइल झपटमारी का खुलासा, 2 आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जयबजरंग थाना क्षेत्र में मोबाइल झपटमारी की घटना का पुलिस ने महज चार घंटे के भीतर सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। घटना शुक्रवार की शाम करीब 7 बजे की है, जब अपाची बाइक सवार दो अज्ञात बदमाशों ने साइकिल सवार एक लड़की से मोबाइल झपट लिया था। पीड़िता के आवेदन पर थाना में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने तकनीकी जांच के आधार पर त्वरित कार्रवाई शुरू की। तत्पश्चात छापेमारी कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों में अनिल कुमार, पिता अशोक राय, निवासी मोजाहिदा एवं सीतेश कुमार, पिता शिवपूजन पासवान, निवासी देवाजीट परसोनी शामिल हैं। दोनों जयबजरंग थाना क्षेत्र, जिला पूर्वी चंपारण के निवासी बताए गए हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से झपटा गया मोबाइल, दोनों का निजी मोबाइल तथा घटना में प्रयुक्त अपाची बाइक बरामद कर लिया है। बरामद मोबाइल पीड़िता को वापस सौंप दिया गया है। पुलिस द्वारा मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु प्रचार रथों को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। आगामी 09 मई 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल संचालन एवं व्यापक जन-जागरूकता के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी के तत्वावधान में शुक्रवार को दस से अधिक प्रचार रथों को रवाना किया गया। इन प्रचार रथों को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अभिषेक कुमार दास द्वारा हरी झंडी दिखाकर प्रस्थान कराया गया। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव नितिन त्रिपाठी, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश रेशमा वर्मा, एडीजे-I सुरेंद्र प्रसाद, राहुल रंजन, गरीमा रानी, अवर न्यायाधीश नसीम नज़र, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी पुनीत कुमार तिवारी सहित अन्य न्यायिक पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिन्होंने संयुक्त रूप से प्रचार रथों को रवाना किया। वहीं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अभिषेक कुमार दास ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत न्याय प्राप्ति का सुलभ, सरल एवं प्रभावी माध्यम है, जिसके माध्यम से विभिन्न प्रकार के वादों का त्वरित एवं आपसी सुलह के आधार पर निपटारा संभव है। उन्होंने आमजन से अधिकाधिक संख्या में राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ उठाने की अपील की। सचिव नितिन त्रिपाठी ने जानकारी दी कि प्रचार रथों के माध्यम से जिले के विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक लोगों को इसकी जानकारी प्राप्त हो सके तथा वादों का सुलभ निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके। यह अभियान राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे आमजन को त्वरित एवं सुलभ न्याय प्राप्त हो सकेगा।

मोतिहारी में प्रस्तावित व्यू प्वाइंट का निरीक्षण, 14 करोड़ की पर्यटन योजनाओं को मिलेगी रफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। शहर में पर्यटन विकास को गति देने के उद्देश्य से रोइंग क्लब एवं गायत्री मंदिर के समीप प्रस्तावित व्यू प्वाइंट का शुक्रवार को संबंधित अधिकारियों एवं माननीय सांसद द्वारा संयुक्त रूप से स्थल निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रस्तावित योजनाओं की रूपरेखा और कार्यान्वयन की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। जानकारी के अनुसार, रोइंग क्लब परिसर में लगभग 10 करोड़ रुपये की लागत से बाउंड्री वॉल एवं मुख्य द्वार का निर्माण कराया जाएगा। इसके साथ ही चिल्ड्रेन पार्क, कैफेटेरिया, घाट, बैठने की व्यवस्था सहित विभिन्न जनसुविधाओं का भी विकास किया जाएगा। वहीं गायत्री मंदिर के निकट करीब 4 करोड़ रुपये की लागत से पर्यटन अवसंरचना विकसित करने की योजना है। इस प्रकार दोनों स्थलों पर कुल 14 करोड़ रुपये की लागत से पर्यटन सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि पर्यटन के दृष्टिकोण से ये परियोजनाएं काफी महत्वपूर्ण हैं और इनके पूर्ण होने के बाद मोतिहारी को एक आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में नई पहचान मिलेगी। इससे स्थानीय रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। यह पहल सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, बिहार सरकार तथा पर्यटन विभाग, बिहार सरकार के समन्वय से आगे बढ़ाई जा रही है।

राष्ट्रकवि दिनकर की पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर काव्य गोष्ठी का आयोजन

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। राष्ट्रकवि दिनकर की पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर चंपारण साहित्य परिषद द्वारा एल.एन.डी. महाविद्यालय में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता चंपारण के सुप्रसिद्ध कवि डॉ. सुनील चम्पारणी ने की। कार्यक्रम में वरिष्ठ रंगकर्मी एवं सिने समीक्षक कुमार विमलेंदु सिंह मुख्य अतिथि तथा विख्यात युवा कवि डॉ. अरमान आनंद, गणेशदत्त महाविद्यालय, बेगूसराय विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों को अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित करने के साथ हुई। चंपारण साहित्य परिषद के अध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण में परिषद के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान समय में बड़े साहित्यिक आयोजनों के बीच छोटी संस्थाओं और लघु पत्रिकाओं की भूमिका साहित्य के विकास में अधिक महत्वपूर्ण रही है। परिषद का गठन इसी उद्देश्य को लेकर किया गया है। काव्य गोष्ठी में कुमार विमलेंदु सिंह ने "चील", "बूढ़ा मछुआरा" और "पवित्र प्रेम" कविताओं का पाठ किया, वहीं डॉ. अरमान आनंद ने अपने नवीन काव्य संग्रह "नींद जिसे रात भर नहीं आती" से "तानाशाह", "भूख" और "ॐ शांति" जैसी कविताओं का पाठ कर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर चंपारण के कई प्रतिष्ठित कवियों ने भी अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं, जिनमें डॉ. मनोहरलाल श्रीवास्तव, डॉ. विनय कुमार सिंह, डॉ. अवनीश कुमार मिश्र, डॉ. गौरव भारती एवं फिल्मकार जिया हसन शामिल रहे। कार्यक्रम में महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के शोधार्थियों डॉ. मनीष कुमार, विकास कुमार और धनंजय कुमार ने भी काव्य पाठ प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में चंपारण साहित्य परिषद के कोषाध्यक्ष डॉ. प्रभाकर कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया, जबकि सफल संचालन डॉ. मनीष कुमार भारती, पोस्ट डॉक्टरल फेलो, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा किया गया।

घर में चल रही थी चुलाई शराब की फैक्ट्री, एक तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिले के फेनहारा थाना क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए घर में संचालित अवैध चुलाई शराब फैक्ट्री का खुलासा किया है। इस दौरान एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। फेनहारा थानाध्यक्ष रजनीश कुमार के नेतृत्व में की गई छापेमारी में छह लीटर नेपाली शराब एवं करीब 50 लीटर कच्चा पास बरामद किया गया। पुलिस ने मौके पर ही कच्चे पास को विनष्ट कर दिया, जबकि बरामद शराब को जब्त कर लिया गया। कार्रवाई के दौरान मधुबनी गांव निवासी फौजी सहनी को गिरफ्तार किया गया है, जो घर में ही अवैध शराब निर्माण और तस्करी के धंधे में संलिप्त बताया जा रहा है। पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध मद्यनिषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

आधार कार्ड के नाम पर अवैध वसूली का खुलासा, सीएसपी केंद्र पर छापेमारी

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। शहर के छतौनी थाना क्षेत्र अंतर्गत छोटा बरियारपुर में आधार कार्ड बनाने के नाम पर अवैध वसूली का मामला सामने आया है। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद सदर एसडीओ निशांत सिहारा के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम ने संबंधित सीएसपी केंद्र पर छापेमारी की, जहां जांच के दौरान कई अनियमितताएं उजागर हुईं। जांच में पाया गया कि केंद्र संचालक द्वारा आधार कार्ड बनाने और उससे संबंधित सेवाओं के नाम पर आम लोगों से 500 से 1000 रुपये तक की अवैध वसूली की जा रही थी, जबकि निर्धारित प्रक्रिया के तहत यह सेवा या तो निशुल्क है या बहुत न्यूनतम शुल्क पर उपलब्ध होती है। शिकायतों के सत्यापन के बाद प्रशासन ने मौके पर ही सख्त कार्रवाई करते हुए आधार पंजीकरण में प्रयुक्त मशीन, कंप्यूटर सिस्टम और अन्य उपकरणों को जब्त कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आरोप सही पाए गए हैं और मामले में संबंधित संचालक के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। साथ ही पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच भी शुरू कर दी गई है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस तरह की गतिविधियां कब से चल रही थीं और इसमें और कौन-कौन लोग शामिल हैं। प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी सरकारी सेवा के नाम पर यदि अतिरिक्त शुल्क की मांग की जाती है, तो इसकी सूचना तत्काल संबंधित अधिकारियों को दें। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सरकारी योजनाओं और सेवाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए ऐसे मामलों पर सख्ती से कार्रवाई जारी रहेगी।

जनता के दरबार में जिला प्रशासन कार्यक्रम में 40 आवेदन प्राप्त, डीएम ने दिए त्वरित निष्पादन के निर्देश

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। शुक्रवार को शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में आयोजित "जनता के दरबार में जिला प्रशासन" कार्यक्रम के तहत जिले के विभिन्न अंचलों से आए कुल 40 आवेदनकर्ताओं की समस्याओं पर सुनवाई की गई। उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने की। इस अवसर पर अपर समाहर्ता (लोक शिकायत) पूर्वी चंपारण शैलेंद्र कुमार भारती, अपर समाहर्ता (विभागीय जांच) मो. शिबगतुल्लाह, वरीय उप समाहर्ता विकास कुमार सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने प्राप्त आवेदनों पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए संबंधित पदाधिकारियों को मौके से ही दूरभाष पर निर्देश दिया कि मामलों का शीघ्र एवं प्रभावी निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आज प्राप्त सभी आवेदनों का संबंधित विभागीय स्तर पर विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए त्वरित समाधान किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भूमि विवाद, अतिक्रमण वाद एवं राजस्व विभाग से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। इन मामलों के शीघ्र निष्पादन हेतु जिलाधिकारी द्वारा प्रभारी पदाधिकारी, जिला जन शिकायत कोषांग को आवश्यक निर्देश देते हुए संबंधित विभागों को आवेदन अग्रसारित करने का आदेश दिया गया। वहीं जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जनता की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है तथा प्रत्येक आवेदन पर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

जैतापुर में दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प, दो युवक गंभीर रूप से घायल

बीएनएम @ रामगढ़वा। प्रखंड क्षेत्र के जैतापुर पंचायत अंतर्गत धनगढ़वा वार्ड संख्या-11 में दो पक्षों के बीच हुई हिंसक झड़प में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान मोहम्मद आलम और साहिल आलम के रूप में की गई है। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को इलाज के लिए रामगढ़वा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) में भर्ती कराया गया। घटना के संबंध में मोहम्मद आलम ने पलनावा थाना में आवेदन देकर इमामुल हक, मोजाहिर मियां, मोसायब, गुड्डू आलम और इफ्तेखार आलम के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है। दिए गए आवेदन में उन्होंने आरोप लगाया है कि सभी आरोपी अचानक उनके दरवाजे पर पहुंचकर हंगामा करने लगे। जब वे घर से बाहर निकले, तो आरोपियों ने उन पर जानलेवा हमला कर दिया और मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान गांव की ओर जा रहे साहिल आलम को भी आरोपियों ने रास्ते में घेर लिया और लाठी-डंडों से उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी, जिससे उसका सिर फट गया और वह मौके पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़ा। मामले की पुष्टि करते हुए पलनावा थानाध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों की ओर से आवेदन प्राप्त हुए हैं। घटना की गंभीरता को देखते हुए प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि जांच के बाद दोषियों की गिरफ्तारी के लिए जल्द ही छापेमारी की जाएगी, ताकि क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रह सके।

अतिक्रमण के खिलाफ नगर निगम का बड़ा एक्शन

बीएनएम @ बेतिया: बेतिया नगर निगम ने शुक्रवार को शहर की यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए सर्किट हाउस से सोवा बाबू चौक तक सघन अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। प्रशासनिक अधिकारियों के नेतृत्व में सागर पोखरा, ट्रैफिक चौक और मीना बाजार जैसे व्यस्त इलाकों में सड़क किनारे लगे अवैध ठेलों और अवरोधों को हटाया गया, जिससे राहगीरों को जाम से बड़ी राहत मिली।अभियान के दौरान सुप्रिया रोड स्थित व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की भी जांच की गई। कई दुकानों के पास ट्रेड लाइसेंस और स्वीकृत भवन नक्शा नहीं मिलने पर निगम ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नगर निगम प्रशासन ने चेतावनी दी है कि शहर की स्वच्छता और व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और जुर्माना वसूली का सिलसिला आगे भी जारी रहेगा।

बेतिया जिला परिषदः अविश्वास प्रस्ताव और मत विभाजन पर रार

बीएनएम @ बेतिया: बेतिया स्थित जिला परिषद कार्यालय में हाल ही में सदस्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसका मुख्य केंद्र निर्वतमान अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव और मत विभाजन की प्रक्रिया रहा। जिला परिषद क्षेत्र संख्या 14 के सदस्य लालबाबू चौधरी के अनुसार, यह विवाद 3 जनवरी 2024 से चल रहा है, जब अविश्वास प्रस्ताव आने के बाद अध्यक्ष ने इस्तीफा दे दिया था।मामला तब पेचीदा हो गया जब सदस्यों ने आरोप लगाया कि उन्हें भ्रमित कर मतदान को रोका गया। इसके बाद सदस्य न्याय के लिए पटना उच्च न्यायालय और सुप्रीम कोर्ट पहुंचे, जहाँ से मत विभाजन कराने का स्पष्ट आदेश जारी किया गया। सदस्यों का कहना है कि अदालती आदेश और 7 अप्रैल को दोबारा आवेदन दिए जाने के बावजूद, अध्यक्ष ने निर्धारित 15 दिनों में बैठक नहीं बुलाई।वर्तमान स्थिति में, 27 जिला परिषद सदस्यों ने जिलाधिकारी को आवेदन सौंपकर जल्द से जल्द मत विभाजन कराने और नए अध्यक्ष के चुनाव की मांग की है। इस बैठक में चंपा देवी, शाहिदा खातून, आरजू परवीन और पूनम देवी सहित कई प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे, जिन्होंने लोकतांत्रिक प्रक्रिया को सुचारू रूप से आगे बढ़ाने पर जोर दिया।

एसपी की रात्रि चौपाल में उमड़े ग्रामीण

बीएनएम @ बगहा : बगहा पुलिस जिले की प्रभारी पुलिस अधीक्षक निर्मला कुमारी ने गुरुवार की रात ठकराहा पंचायत सरकार भवन में 'रात्रि चौपाल' का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रशासन और जनता के बीच की दूरी को कम करना था। एसपी ने ग्रामीणों को बाल विवाह, नशाखोरी और आगजनी जैसी सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध जागरूक किया और अपराध नियंत्रण में सहयोग की अपील की।चौपाल में ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं खुलकर रखीं और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने तथा नशाखोरी पर ठोस कार्रवाई की मांग की। हालांकि, कुछ लोगों ने जमीनी स्तर पर समस्याओं के स्थायी समाधान की आवश्यकता पर भी बल दिया। मौके पर थानाध्यक्ष नरेश चौधरी और मुखिया प्रतिनिधि वीरेंद्र तिवारी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

ऐतिहासिक हरिवाटिका शिव मंदिर के संरक्षण में देरी

बीएनएम @ बेतिया: बेतिया नगर निगम क्षेत्र के ऐतिहासिक हरिवाटिका स्थित शिव मंदिर के सौंदर्यीकरण और चारदीवारी का निर्माण पिछले ढाई वर्षों से अनापत्ति प्रमाण पत्र के अभाव में अटका हुआ है। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने इस पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए इसे प्राथमिकता देने की बात कही है।महापौर के अनुसार, 14 अक्टूबर 2023 को ही नगर निगम बोर्ड द्वारा 68 लाख रुपये की इस योजना को मंजूरी दी गई थी। हालांकि, राजस्व पर्षद बिहार से एनओसी न मिलने के कारण कार्य शुरू नहीं हो सका है। यह परिसर धार्मिक आयोजनों और सामूहिक विवाहों के लिए महत्वपूर्ण है। महापौर ने राजस्व पर्षद के अध्यक्ष को पत्र लिखकर एनओसी जारी करने की अपील की है, ताकि बेतिया राज की इस धरोहर का संरक्षण शीघ्र हो सके।

सम्राट चौधरी के नेतृत्व में सुरक्षित है बिहार का भविष्यः संजय सरावगी

बीएनएम @ पटना। बिहार विधानसभा में नई सरकार के विश्वास मत हासिल करने के बाद भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात कर उन्हें बधाई दी। सरावगी ने फ्लोर टेस्ट की सफलता को 'जनविश्वास की जीत' करार देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के सक्षम नेतृत्व में बिहार अब सुशासन और प्रगति के नए मानदंड स्थापित करेगा।उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए स्पष्ट किया कि फ्लोर टेस्ट मात्र एक औपचारिकता थी और एनडीए पूरी तरह एकजुट है। सरावगी ने जोर देकर कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के पास समृद्ध अनुभव और अटूट समर्पण है, जो राज्य को विकसित राज्यों की श्रेणी में खड़ा करेगा। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि नीतीश कुमार द्वारा पिछले 21 वर्षों में स्थापित किए गए विकास के पथ को यह सरकार और अधिक गति के साथ आगे बढ़ाएगी। समावेशी विकास और समृद्ध बिहार का वादा पूरा करना ही एनडीए सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

डिजिटल जनगणना 2027: 12 दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न, 2 मई से शुरू होगा जमीनी कार्य

बीएनएम @ अरेराज

अरेराज। भारत की जनगणना 2027 को लेकर अरेराज में प्रगणकों और पर्यवेक्षकों का 12 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुक्रवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। सोमेश्वर प्लस टू विद्यालय के सभागार में आयोजित इस प्रशिक्षण में कुल चार बैचों में प्रतिभागियों को आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी गई। प्रत्येक बैच का प्रशिक्षण तीन-तीन दिनों के अंतराल पर आयोजित किया गया। समापन सत्र को संबोधित करते हुए स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि आगामी 2 मई से जनगणना का जमीनी कार्य विधिवत शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस बार की जनगणना कई मायनों में खास है, क्योंकि यह पूरी तरह डिजिटल और पेपरलेस होगी। अधिकारियों के अनुसार, पहली बार पारंपरिक कागजी फॉर्म और रजिस्टरों के स्थान पर मोबाइल ऐप, वेब पोर्टल और रियल-टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम का इस्तेमाल किया जाएगा। इससे डेटा संग्रह की प्रक्रिया अधिक तेज, सटीक और पारदर्शी बनेगी। साथ ही नागरिकों को "सेल्फ एन्यूमरेशन" की सुविधा भी दी गई है, जिससे लोग स्वयं ऑनलाइन अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। जनगणना 2027 को दो चरणों में पूरा किया जाएगा। पहले चरण में मकानों की सूची तैयार कर वहां उपलब्ध सुविधाओं से संबंधित जानकारी जुटाई जाएगी, जबकि दूसरे चरण में जनसंख्या से जुड़े विस्तृत आंकड़े एकत्र किए जाएंगे। इस दौरान नागरिकों से शिक्षा, आय, आवास समेत कुल 33 महत्वपूर्ण प्रश्न पूछे जाएंगे। डिजिटल प्रणाली के उपयोग से आंकड़ों में दोहराव की संभावना खत्म होने के साथ ही सटीकता में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में आदित्य नारायण दीक्षित, विनोद पाण्डेय, मिंटू कुमार मिश्रा, ब्रजभूषण तिवारी, हृदय कुमार, राम उदय कुमार, अजीत कुमार राम, जय प्रकाश सिंह, मदन मिश्र, अनिल सिंह, कर्मुदिन अली रजक, पंकज कुमार, गुड़िया कुमारी, आलोक कुमार, अमन कुमार, जान बाबू और राहुल कुमार रंजन सहित सैकड़ों प्रगणक उपस्थित रहे।

मक्का के खेत से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद, एक तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम @ तुरकौलिया

तुरकौलिया। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के शंकरसरैया फतेहटोला में छापेमारी कर भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद की है। इस दौरान एक शराब तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली थी कि शंकरसरैया फतेहटोला स्थित मक्का के खेत में शराब छिपाकर रखी गई है। सूचना के आधार पर एएसआई कन्हैयालाल के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और तलाशी अभियान शुरू किया। तलाशी के दौरान मक्का के खेत से 180 एमएल की 1121 बोतल ऑफिसर चॉइस, 180 एमएल की 56 बोतल 8 पीएम और 750 एमएल की 20 बोतल रॉयल स्टेज अंग्रेजी शराब बरामद की गई। छापेमारी के दौरान मौके से भागने की कोशिश कर रहे एक तस्कर को भी पुलिस ने खदेड़ कर पकड़ लिया। गिरफ्तार तस्कर की पहचान फतेहटोला निवासी शमशेर देवान के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष संपत कुमार ने बताया कि गिरफ्तार शराब कारोबारी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। साथ ही इस कारोबार से जुड़े अन्य संदिग्धों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

तुरकौलिया में जनगणना प्रशिक्षण संपन्न, अंतिम बैच में 307 प्रगणक व 54 पर्यवेक्षक शामिल

बीएनएम @ तुरकौलिया

तुरकौलिया। प्रखंड क्षेत्र में जनगणना को लेकर चल रहा प्रगणकों और पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण शुक्रवार को समाप्त हो गया। प्रखंड मुख्यालय स्थित कृषि भवन, प्रखंड सभागार एवं बीआरसी केंद्र में आयोजित इस अंतिम बैच के प्रशिक्षण में कुल 307 प्रगणक और 54 पर्यवेक्षक शामिल हुए। इससे पूर्व दो बैचों का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया जा चुका है। प्रशिक्षण के दौरान छह मास्टर ट्रेनर—ब्रजनंदन प्रसाद, लौकेश कुमार, अरुण कुमार सिंह, बिरबहादुर, केशव प्रसाद कश्यप एवं अनिल कुमार—द्वारा प्रगणकों को विस्तृत जानकारी दी गई। इसमें घर-घर जाकर डेटा संकलन, डिजिटल उपकरणों का उपयोग, गोपनीयता बनाए रखना तथा सटीक जानकारी एकत्र करने की प्रक्रिया पर विशेष जोर दिया गया। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद प्रगणक सबसे पहले मकान-भवन की गिनती का कार्य शुरू करेंगे। जनगणना के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण किया जाएगा, जबकि पूर्ण जनगणना की प्रक्रिया फरवरी 2027 से आरंभ होगी। वहीं, नागरिक 17 अप्रैल से 1 मई के बीच स्वयं अपनी गणना भी कर सकेंगे। प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) संतोष राज ने बताया कि यह अंतिम बैच का प्रशिक्षण था और जनगणना को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस अवसर पर प्रगणक विजय कुमार सिंह, वाहिद लतीफ, नीति प्रकाश, अभिषेक कुमार, अमीर पासवान, पुष्पलता कुमारी, कृष्णकांत तिवारी, मुकेश कुमार सहित सभी 307 प्रगणक उपस्थित रहे।

सीएससी केंद्र का अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा औचक निरीक्षण, अनियमितताएं उजागर

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। सदर अनुमंडल पदाधिकारी निशांत सिहारा द्वारा शुक्रवार को कार्यपालक दंडाधिकारी, सदर अनुमंडल के साथ नगर के छोटा बरियारपुर स्थित कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) का औचक निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण के दौरान केंद्र में गंभीर अनियमितताएं पाई गईं, जिससे प्रशासनिक व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न खड़े हो गए हैं। निरीक्षण के क्रम में यह पाया गया कि सीएससी केंद्र पर निर्धारित रेट चार्ट प्रदर्शित नहीं किया गया था। जांच में यह भी सामने आया कि लाभुकों से 500 रुपये से लेकर 1000 रुपये तक की अवैध वसूली की जा रही थी। इसके अतिरिक्त, सीएससी संचालक की बगल में स्थित साइबर कैफे से मिलीभगत के संकेत भी मिले, जहां से टोकन के आधार पर कार्य संपादित किया जा रहा था। जब सीएससी संचालन से संबंधित वैध दस्तावेज एवं साक्ष्य प्रस्तुत करने को कहा गया, तो संचालक द्वारा कोई भी प्रमाण उपलब्ध नहीं कराया जा सका। अनियमितताओं को गंभीरता से लेते हुए अनुमंडल पदाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की तथा सीएससी संचालक से स्पष्टीकरण की मांग करने का निर्देश दिया है। प्रशासन द्वारा मामले की आगे जांच की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

रात्रि गश्ती दौरान पकड़ा गया बाइक चोर, भेजा गया जेल

बीएनएम @ रामगढ़वा

रामगढ़वा। पलनवा थाना पुलिस ने रात्रि गश्ती के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए बाइक चोरी के एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सुनील कुमार के रूप में हुई है, जो थाना क्षेत्र के बस्ती सेमरा गांव का निवासी बताया जा रहा है। थानाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस टीम रात में गश्ती कर रही थी। इसी दौरान एक युवक संदिग्ध स्थिति में बाइक के साथ नजर आया। पुलिस को देखते ही वह भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन सतर्क पुलिस बल ने तत्परता दिखाते हुए उसे बाइक समेत पकड़ लिया। पुलिस जांच में बरामद बाइक का नंबर BR05BD9702 पाया गया, जो बस्ती सेमरा निवासी भूटान यादव की बताई जा रही है। पूछताछ के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए उसे जेल भेज दिया गया। इस कार्रवाई में पीएसआई रूपम कुमारी सहित अन्य पुलिसकर्मियों की अहम भूमिका रही। पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में गश्ती और सख्ती आगे भी जारी रहेगी, ताकि आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा सके।

लोडेड देसी कट्टा व जिंदा गोली के साथ दो गिरफ्तार, पल्सर बाइक भी जब्त

बीएनएम @ बेतिया

बेतिया। कंगली थाना क्षेत्र में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पल्सर मोटरसाइकिल सवार दो व्यक्तियों को लोडेड देसी कट्टा एवं जिंदा गोली के साथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई 23 अप्रैल 2026 को दोपहर करीब 12:30 बजे भेड़िहरवा मध्य विद्यालय के समीप त्रिवेणी घोड़ासहन कैनाल पुल के पास की गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि नेपाल की ओर से तीन व्यक्ति मोटरसाइकिल से देसी कट्टा एवं भारतीय जाली नोट लेकर भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने वाले हैं। सूचना के सत्यापन के बाद कंगली थाना पुलिस ने घेराबंदी कर दो संदिग्धों को पकड़ लिया, जबकि तीसरा व्यक्ति मौके से फरार होने में सफल रहा। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान ज्वाला सिंह, पिता स्वर्गीय हीरालाल सिंह एवं सचिन कुमार, पिता राजदेव राम, दोनों निवासी ग्राम दरपा सुखलहिया, थाना दरपा, जिला पूर्वी चंपारण के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उनके पास से एक लोडेड देसी कट्टा, एक जिंदा गोली, एक पल्सर मोटरसाइकिल तथा नोट के आकार के कुछ संदिग्ध कागज के टुकड़े बरामद किए गए। इस संबंध में थानाध्यक्ष कंगली के स्वलिखित बयान के आधार पर कंगली थाना कांड संख्या 34/26 दर्ज कर दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस फरार आरोपी की तलाश में छापेमारी कर रही है। पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में अपराध नियंत्रण एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

फर्जी आधार और जन्म प्रमाण पत्र बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश, दो गिरफ्तार

बीएनएम @ बगहा

बगहा : बगहा पुलिस ने एक बड़े फर्जीवाड़े का पर्दाफाश करते हुए अवैध रूप से आधार कार्ड बनाने और उनमें सुधार करने वाले गिरोह का उद्भेदन किया है। प्रभारी पुलिस अधीक्षक निर्मला कुमारी के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई ने अवैध कारोबारियों के बीच हड़कंप मचा दिया है। पुलिस ने न केवल गिरोह के दो मुख्य सदस्यों को गिरफ्तार किया, बल्कि इस काले धंधे में इस्तेमाल होने वाले अत्याधुनिक उपकरणों को भी जब्त किया है।एसपी निर्मला कुमारी ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि गोबर्धना थाना क्षेत्र के तरकुलवा गांव में चोरी-छिपे नया आधार कार्ड बनाने, पुराने में सुधार करने और फर्जी जन्म प्रमाण पत्र तैयार करने का खेल चल रहा है। इस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए साइबर थानाध्यक्ष सर्वेश कुमार की टीम ने छापेमारी की। मौके से 9 फर्जी जन्म प्रमाण पत्र, दो लैपटॉप, दो प्रिंटर, एक आईरिस स्कैनर, फिंगरप्रिंट स्कैनर, वेब कैमरा और आधार अपडेट से संबंधित कई फॉर्म बरामद किए गए।गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान सन्तपुर निवासी अजय कुमार (30 वर्ष) और गुदगुड्डी निवासी रंजन कुमार (23 वर्ष) के रूप में हुई है। पूछताछ के बाद गुरुवार को दोनों को जेल भेज दिया गया। एसपी ने स्पष्ट किया कि पुलिस का सर्च अभियान निरंतर जारी रहेगा और इस तरह के किसी भी फर्जी नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया जाएगा।

दूसरों पर सवाल उठाने से पहले अपनी भूमिका देखें : राजू तिवारी

बीएनएम @पटना

पटना। बिहार विधानसभा की कार्यवाही के दौरान लोजपा (रामविलास) के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी अपने प्रभावशाली और परिपक्व वक्तव्य के कारण सुर्खियों में रहे। उन्होंने सदन में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव द्वारा किए गए तंज का जवाब जिस संयम और आत्मविश्वास के साथ दिया, उसकी राजनीतिक गलियारों में जमकर सराहना हो रही है। तिवारी ने स्पष्ट किया कि राजनीति में केवल आरोप-प्रत्यारोप लगाना काफी नहीं है, बल्कि आत्ममंथन करना कहीं अधिक आवश्यक है।राजू तिवारी ने संवाद की मर्यादा पर जोर देते हुए 'लालू पाठशाला' जैसे शब्दों के प्रयोग को अनुचित बताया और विपक्ष को नसीहत दी कि दूसरों पर सवाल उठाने से पहले वे अपने सहयोगियों की भूमिका का भी आकलन करें। उनके तर्कपूर्ण प्रहार ने न केवल विपक्ष को निरुत्तर किया, बल्कि सदन की गरिमा को भी बनाए रखा। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, राजू तिवारी का यह रुख उन्हें एक उभरते और प्रभावशाली नेता के रूप में स्थापित करता है, जो तथ्यों और आक्रामकता के बीच सही संतुलन बनाना जानते हैं। यह घटनाक्रम बिहार की राजनीति में सकारात्मक और मर्यादित संवाद की दिशा में एक शुभ संकेत माना जा रहा है।

लोगों के मन पर संदेह

सवाल यह नहीं है कि निर्वाचन प्रक्रिया स्वतंत्र और निष्पक्ष है या नहीं। प्रश्न है कि इसको लेकर लोगों के मन में संशय क्यों है? शक भरे माहौल के कारण ही राजनीतिक गुटों के लिए लोगों को भड़काना आसान हो गया है। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले माहौल अशांत और अराजक किस्म का है। लोगों के मन पर संदेह और आशंकाओं का साया है। इसकी ही मिसाल मालदा जिले में कलियाचक में देखने को मिली। वहां विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद तैयार मतदाता सूची पर आई आपत्तियों को निपटाने के काम में लगे न्यायिक अधिकारियों को प्रखंड कार्यालय में दस घंटों तक भीड़ ने बंधक बनाकर रखा। अहम मुद्दा यह नहीं है कि इसके पीछे किसका हाथ था। काबिल-ए-गौर यह है कि वहां महिलाओं और बच्चों समेत ऐसी भीड़ जुटी, जिसके आक्रोश से न्यायिक अधिकारियों को बचाने में घंटों लग गए। सुप्रीम कोर्ट ने उचित ही इस पर नाराजगी जताई। मगर, इसके लिए सिर्फ स्थानीय अधिकारियों को जवाबदेह मानना सही नहीं होगा। असल उत्तरदायित्व निर्वाचन आयोग का है। आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से आयोग ने राज्य में अफसरों के रिकॉर्ड- 480 से अधिक- तबादले किए हैं। इसलिए ऊपर से नीचे तक जो भी अधिकारी तैनात हैं, कर्त्तव्य निर्वहन में उनकी खामी का सर्वोच्च दायित्व आयोग पर जाता है। बहरहाल, उससे भी बड़ा मसला एसआईआर को जिस तरह किया गया, वो है। इस पर दस लाख आपत्तियों आईं, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट के दबाव में जल्दबाजी में निपटाया गया। नतीजतन, ये धारणा बनी कि आयोग ने अपना काम ठीक से नहीं किया है। इसी कारण विधानसभा चुनाव को लेकर तमाम तरह की 'साज़िशाना कहानियोंÓ को बल मिला है। सवाल यह नहीं है कि निर्वाचन प्रक्रिया स्वतंत्र और निष्पक्ष है या नहीं। प्रश्न है कि इसको लेकर लोगों के मन में संशय क्यों है? शक के ऐसे ही माहौल के कारण राजनीतिक गुटों के लिए लोगों को भड़काना आसान हो गया है। राज्य में माहौल कैसा है, इसकी कुछ झलक सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणियों से भी मिली है। लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि न्यायालय का हस्तक्षेप भी उन कारणों को दूर नहीं कर पाया, जिनकी वजह से चुनाव प्रक्रिया को लेकर अविश्वास का माहौल बना है। अतः निर्वाचन आयोग की जवाबदेही तय किए जाने की जरूरत है, जिसके तौर-तरीकों से भारत के चुनावों की साख पर सवाल गहराते जा रहे हैं।

सुरक्षित जीवन की दिशा में: मलेरिया मुक्त भविष्य का संकल्प

सुनील कुमार महला

(25 अप्रैल विश्व मलेरिया दिवस पर विशेष आलेख)

प्रतिवर्ष 25 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा विश्व मलेरिया दिवस मनाया जाता है। वास्तव में इस दिवस को मनाने के पीछे का मुख्य उद्देश्य मलेरिया जैसी जानलेवा, घातक और व्यापक संक्रामक बीमारी के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाना, इसके रोकथाम के उपायों को प्रोत्साहित करना, समय पर जाँच एवं उपचार की व्यवस्था पर बल देना तथा वैश्विक स्तर पर इसके उन्मूलन के प्रयासों को गति देना है। मलेरिया को आज भी एक सामान्य रोग समझ लिया जाता है, किंतु यह आज भी विश्व की सबसे गंभीर जनस्वास्थ्य समस्याओं में से एक है और हर वर्ष लाखों लोगों की मृत्यु का कारण बनता है। बहुत कम लोग जानते हैं कि यह वायरस से नहीं बल्कि प्लाज्मोडियम नामक परजीवी से फैलता है, जो संक्रमित मादा एनोफिलीज़ मच्छर के काटनेसे मनुष्य के शरीर में पहुँचता है।पाठक जानते होंगे कि हर मच्छर मलेरिया नहीं फैलाता।मलेरिया शब्द की यदि हम यहां पर बात करें तो यह शब्द इतालवी(इटली) भाषा के माला एरिया से बना है, जिसका अर्थ खराब हवा होता है, क्योंकि प्राचीन काल में लोग मानते थे कि यह बीमारी गंदी या दूषित हवा से फैलती है, जबकि बाद में विज्ञान ने सिद्ध किया कि इसका वास्तविक कारण मच्छर हैं। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि मलेरिया कोई नया नहीं बल्कि, यह एक अत्यंत प्राचीन रोग है, जिसका उल्लेख प्राचीन मिस्र, भारत तथा चीन के प्राचीन ग्रंथों में भी मिलता है। संक्रमित मच्छर के काटने पर प्लाज्मोडियम परजीवी रक्त में प्रवेश कर लाल रक्त कोशिकाओं में बहुगुणित होने लगता है, जिससे रक्तहीनता (एनीमिया), कमजोरी और अन्य जटिलताएँ उत्पन्न होती हैं। बहरहाल, इसके प्रमुख लक्षणों की यदि हम यहां पर बात करें तो इसके प्रमुख लक्षणों में क्रमशः तेज बुखार, ठंड लगना, कंपकंपी, सिरदर्द, मतली, उल्टी, अत्यधिक पसीना आना, चक्कर आना, साँस फूलना, तेज नाड़ी, थकान, कमजोरी तथा जुकाम जैसी अनुभूति शामिल हैं। गंभीर अवस्था में रोगी मूर्च्छा तक में जा सकता है और व्यक्ति की मृत्यु तक भी हो सकती है। कुछ लोगों में इसके लक्षण देर से प्रकट होते हैं, किंतु छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं और कमजोर प्रतिरक्षा वाले व्यक्तियों में यह शीघ्र और अधिक घातक रूप ले सकता है। रोगी के ठीक होने के बाद भी यह रोग पुनः हो सकता है। वर्षा ऋतु में या वर्षा के बाद जब घरों, गलियों और आसपास के क्षेत्रों में पानी जमा हो जाता है, तब मच्छरों का प्रजनन तेजी से होता है और संक्रमण का प्रसार बढ़ जाता है। यही कारण है कि स्वच्छता और जलभराव रोकना मलेरिया नियंत्रण का अत्यंत महत्त्वपूर्ण उपाय माना जाता है। यह रोग मुख्य रूप से अफ्रीका, एशिया, अमेरिका तथा अन्य उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में अधिक पाया जाता है, क्योंकि वहाँ की जलवायु मच्छरों के पनपने के लिए अनुकूल होती है। मलेरिया गरीब क्षेत्रों में अधिक पाया जाता है, क्योंकि वहाँ स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाओं, दवाओं, सुरक्षित आवास और रोकथाम के संसाधनों की कमी होती है। बहरहाल, यहां पाठकों को जानकारी देता चलूं कि वर्ष 2007 में विश्व स्वास्थ्य सभा के 60वें सत्र में इसे मनाने का निर्णय लिया गया था और पहला आधिकारिक विश्व मलेरिया दिवस 25 अप्रैल 2008 को मनाया गया था।हर साल इस दिवस की एक थीम रखी जाती है और वर्ष 2025 की थीम-मलेरिया का अंत हमसे होगाः पुनर्निवेश करें, नए तरीके सोचें और प्रयासों को फिर से प्रज्वलित करें। रखी गई थी ,जिसका मतलब है कि मलेरिया का अंत हमारे अपने प्रयासों से ही संभव है।

सरल शब्दों में कहें तो मलेरिया नियंत्रण और अनुसंधान में फिर से अधिक संसाधन, धन और ध्यान लगाना होगा,इस पर नियंत्रण के लिए हमें नए सिरे से सोचना होगा। हमें पारंपरिक तरीकों के साथ-साथ नए, प्रभावी और आधुनिक उपाय अपनाने होंगे तथा मलेरिया उन्मूलन के वैश्विक प्रयासों में नई ऊर्जा और उत्साह पैदा करना होगा। वहीं इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में इसकी थीम-मलेरिया समाप्त करने के लिए प्रेरितः अब हम कर सकते हैं, अब हमें करना ही होगा। रखी गई है। वास्तव में इसका सीधा सा संदेश यह है कि अवसर और साधन मौजूद हैं, इसलिए अब देरी नहीं, बल्कि निर्णायक कार्रवाई का समय है। हाल फिलहाल, यदि हम यहां पर आंकड़ों की बात करें तो वैश्विक स्तर पर मलेरिया के मामले लगभग 28.2 करोड़ तक पहुँच चुके हैं और लगभग 6.10 लाख लोगों की मृत्यु हुई है, जिनमें अधिकांश पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चे हैं। पूर्व की विश्व मलेरिया रिपोर्टों में यह तथ्य भी सामने आया कि कुछ वर्षों में हर 50 सेकंड में एक व्यक्ति की मृत्यु मलेरिया के कारण हो रही थी। वर्ष 2020 में विश्व स्तर पर 6,27,000 लोगों की मृत्यु मलेरिया के कारण दर्ज की गई थी, जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक थी।इन सभी के बीच राहत की बात यह है कि दुनिया के 47 देश मलेरिया मुक्त घोषित किए जा चुके हैं और चीन को भी मलेरिया मुक्त देश का दर्जा प्राप्त हुआ है। वहीं पर, भारत की स्थिति पिछले वर्षों में उत्साहजनक रही है। देश ने एक दशक में मलेरिया मामलों में लगभग 80 प्रतिशत कमी दर्ज की है,यह काबिले-तारीफ है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत सरकार ने 2027 तक मलेरिया मुक्त भारत और 2030 तक पूर्ण उन्मूलन का लक्ष्य रखा है। अतीत में ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ पश्चिम बंगाल और पंजाब जैसे राज्य मलेरिया से अधिक प्रभावित रहे, विशेषकर दूरस्थ ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 19वीं सदी के अंत और 20वीं सदी की शुरुआत में भारत की लगभग एक चौथाई आबादी मलेरिया से प्रभावित बताई जाती है। 1935 के एक सर्वेक्षण के अनुसार भारत को मलेरिया के कारण प्रतिवर्ष भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता था। भारत सरकार ने 1953 में राष्ट्रीय मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम आरंभ किया, जो अत्यंत सफल रहा, और 1958 में राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। निरंतर सरकारी प्रयासों, चिकित्सा सेवाओं, दवाओं और जागरूकता अभियानों से रोगियों की संख्या में भारी कमी आई, किंतु अभी भी पूर्ण सफलता शेष है। मलेरिया से बचाव के लिए मच्छरदानी का उपयोग, घर के आसपास पानी जमा न होने देना, जल टंकियों को ढककर रखना, खड़े पानी को सुखाना या बहाना, पानी की सतह पर तेल डालना जिससे लार्वा साँस न ले सके, नियमित साफ-सफाई, पूरी बाँह के कपड़े पहनना, समय पर जाँच, डॉक्टर की सलाह से दवा लेना तथा कीटनाशकों का छिड़काव करना अत्यंत आवश्यक है। बहुत कम लोग ही यह बात जानते होंगे कि सेनाओं और सुरक्षा बलों में मलेरिया रोकथाम पर विशेष ध्यान दिया जाता है, क्योंकि उनकी तैनाती प्रायः जंगलों, सीमावर्ती क्षेत्रों और मच्छर-बहुल स्थानों पर होती है, इसलिए मच्छरदानी का उपयोग वहाँ अनिवार्य माना जाता है। मलेरिया का उपचार कुनैन तथा आर्टिमीसिनिन जैसी दवाओं से किया जाता है। कुनैन सिनकोना नामक वृक्ष से प्राप्त होती है। आरटीएस ,एसऔर आर-21 ऐसे टीके हैं जिन्हें विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मंजूरी दी है और जिनसे विशेषकर बच्चों की सुरक्षा में सहायता मिली है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि मच्छर नियंत्रण के लिए डीडीटी (डाइक्लोरो-डाइफेनाइल-ट्राइक्लोरोइथेन) कभी अत्यंत प्रभावी हथियार सिद्ध हुआ था। यह पहला आधुनिक कीटनाशक माना जाता है। इसका संश्लेषण 1874 में ऑस्ट्रिया के रसायनज्ञ ओथमार ज़ीडलर ने किया था तथा इसके कीटनाशी गुणों की खोज 1939 में पॉल हरमन मुलर ने की थी, जिन्हें 1948 में नोबेल पुरस्कार मिला। गौरतलब है कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सैनिकों और आम जनता को मलेरिया तथा टाइफस से बचाने के लिए इसका व्यापक उपयोग हुआ। बाद में पर्यावरणीय प्रभावों के कारण इसके उपयोग पर नियंत्रण लगाया गया, किंतु कुछ परिस्थितियों में मलेरिया नियंत्रण हेतु सीमित उपयोग को स्वीकृति दी गई। वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन, बढ़ती गर्मी, मच्छरों में कीटनाशक प्रतिरोधक क्षमता, परजीवियों में दवा प्रतिरोध, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, गरीबी, पर्याप्त कोष का अभाव, सामुदायिक भागीदारी की कमी, समय पर छिड़काव न होना, रोग की पहचान में देरी तथा दूरस्थ क्षेत्रों तक चिकित्सा सुविधा न पहुँच पाना मलेरिया उन्मूलन की बड़ी बाधाएँ हैं। इसलिए आवश्यक है कि जागरूकता अभियान चलाए जाएँ, रेडियो, फिल्म, विद्यालयों और सामाजिक माध्यमों से जानकारी पहुँचाई जाए, गरीबों को स्वास्थ्य संसाधन उपलब्ध कराए जाएँ, स्वच्छता पर बल दिया जाए और वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाए। अंत में यही कहूंगा कि विश्व मलेरिया दिवस हमें यह संदेश देता है कि यदि सरकार, समाज, चिकित्सा संस्थान और प्रत्येक नागरिक सामूहिक संकल्प के साथ आगे आएँ, तो मलेरिया जैसी बीमारी को हराकर मलेरिया मुक्त भारत और मलेरिया मुक्त विश्व का सपना अवश्य साकार किया जा सकता है।

(सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार, पिथौरागढ़, उत्तराखंड।)

भीषण गर्मी का प्रकोपः तपते शहर, बदलती दिनचर्या और राहत की तलाश में आमजन

कांतिलाल मांडोत

उत्तर भारत से लेकर पश्चिम और मध्य भारत तक इन दिनों गर्मी ने अपना विकराल रूप दिखाना शुरू कर दिया है। तापमान लगातार नए रिकॉर्ड की ओर बढ़ रहा है और आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। सड़कों पर निकलना मुश्किल हो गया है, हवा में तपिश घुली हुई है और दोपहर का समय तो जैसे आग उगलता प्रतीत होता है। हालात ऐसे हैं कि लोग जरूरी कामों के अलावा घर से बाहर निकलने से बच रहे हैं। जो निकल भी रहे हैं, वे छाता, गमछा या कपड़े से खुद को ढककर ही बाहर कदम रख रहे हैं। बच्चे, बुजुर्ग और मजदूर वर्ग इस भीषण गर्मी की सबसे ज्यादा मार झेल रहे हैं।

लखनऊ में तापमान 41 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है। मौसम विभाग के अनुसार यह सामान्य से कई डिग्री अधिक है, जिससे गर्मी की तीव्रता और भी अधिक महसूस हो रही है। स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है ताकि बच्चों को दोपहर की तेज धूप से बचाया जा सके। अब स्कूल सुबह जल्दी शुरू होकर दोपहर 12:30 बजे तक बंद हो जा रहे हैं। इसके बावजूद जब बच्चे स्कूल से घर लौटते हैं, तब तक सूरज अपनी पूरी तपिश के साथ मौजूद रहता है और उन्हें परेशानी झेलनी पड़ती है। कई बच्चे थकान, पसीना और चक्कर जैसी समस्याओं से जूझते दिखाई दे रहे हैं। सिर्फ लखनऊ ही नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी हालात कुछ ऐसे ही बने हुए हैं। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अगले कुछ दिनों तक तापमान में कोई खास गिरावट की संभावना नहीं है। प्रदेश के कई इलाकों में लू चलने के आसार हैं, जो लोगों के लिए और भी खतरनाक साबित हो सकती है। गर्म हवाओं के थपेड़े दिन के साथ-साथ रात में भी राहत नहीं दे रहे हैं, जिससे लोगों की नींद और स्वास्थ्य दोनों प्रभावित हो रहे हैं।

देश के अन्य हिस्सों में भी गर्मी का यही हाल है। राजस्थान के कई शहरों में तापमान 40 डिग्री से ऊपर पहुंच चुका है और कुछ जगहों पर यह 45 डिग्री तक जाने की आशंका जताई जा रही है। कोटा जैसे शहरों में पारा 42 डिग्री तक पहुंच चुका है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। दिन और रात के तापमान में भारी अंतर भी देखा जा

रहा है, जो स्वास्थ्य के लिए अनुकूल नहीं है। वहीं, गुजरात में भी गर्मी ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। राज्य सरकार और स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड में हैं। अस्पतालों में 'हीट वार्ड' बनाए गए हैं ताकि लू के मरीजों का तुरंत इलाज किया जा सके। डिहाइड्रेशन के मामलों को देखते हुए ओआरएस कॉर्नर भी स्थापित किए गए हैं, जहां लोगों को मुफ्त में ओआरएस उपलब्ध कराया जा रहा है। यह कदम इस बात का संकेत है कि प्रशासन गर्मी की गंभीरता को समझते हुए पहले से तैयारी कर रहा है। हालांकि देश के कुछ हिस्सों में स्थिति अलग भी है। पूर्वोत्तर भारत में प्री-मानसून गतिविधियां तेज हो गई हैं और गुवाहाटी में भारी बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। यह स्थिति बताती है कि देश के अलग-अलग हिस्सों में मौसम का मिजाज कितना भिन्न हो सकता है—कहीं लोग तपती गर्मी से जूझ रहे हैं तो कहीं बारिश और बाढ़ से। इस भीषण गर्मी का असर सिर्फ दैनिक जीवन पर ही नहीं, बल्कि धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों पर भी पड़ रहा है। काशी विश्वनाथ धाम में गर्मी को देखते हुए भगवान का शीतल पेयों और फलों के रस से अभिषेक किया जा रहा है, ताकि भक्तों को भी कुछ राहत और आध्यात्मिक सुकून मिल सके। यह भारतीय संस्कृति का एक अनूठा पहलू है, जहां प्रकृति की परिस्थितियों के अनुसार परंपराओं में भी बदलाव किया जाता है। गर्मी का यह प्रकोप केवल असुविधा ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा बन सकता है। लू लगना, डिहाइड्रेशन, हीट स्ट्रोक जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। खासकर वे लोग जो लंबे समय तक धूप में काम करते हैं—जैसे मजदूर, रिक्शा चालक, डिलीवरी कर्मी—उनके लिए यह समय बेहद चुनौतीपूर्ण है। बच्चों और बुजुर्गों की स्थिति भी चिंताजनक है क्योंकि उनकी शारीरिक क्षमता इस तरह की गर्मी को सहन करने में कम होती है। ऐसे में जरूरी है कि हम कुछ सावधानियां अपनाकर खुद को इस भीषण गर्मी से बचाएं। सबसे पहली और महत्वपूर्ण बात यह है कि दोपहर 11 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक बाहर निकलने से बचें। यदि बहुत जरूरी हो तो सिर को ढककर ही बाहर निकलें—छाता, टोपी या गमछे का उपयोग करें। शरीर को हाइड्रेट रखना बेहद जरूरी है, इसलिए दिनभर में पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें। इसके साथ ही नींबू पानी, छाछ, नारियल पानी और ओआरएस जैसे पेय पदार्थों का सेवन करना फायदेमंद होता है। खान-पान पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए। हल्का और सुपाच्य भोजन करें, जिसमें पानी की मात्रा अधिक हो—जैसे फल, सलाद, दही आदि। तली-भुनी और भारी चीजों से परहेज करें क्योंकि ये शरीर में गर्मी बढ़ाती हैं। घर के अंदर भी ठंडक बनाए रखने के लिए खिड़कियों पर पर्दे लगाएं और दिन के समय उन्हें बंद रखें ताकि बाहर की गर्म हवा अंदर न आ सके।

बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें। उन्हें धूप में खेलने या बाहर जाने से रोकें और समय-समय पर पानी पिलाते रहें। यदि किसी को चक्कर आना, तेज सिरदर्द, उल्टी या कमजोरी महसूस हो तो तुरंत ठंडी जगह पर ले जाएं और डॉक्टर से संपर्क करें। कुल मिलाकर, देश इस समय भीषण गर्मी के दौर से गुजर रहा है, जो आने वाले दिनों में और भी तीव्र हो सकता है। प्रशासन अपने स्तर पर प्रयास कर रहा है, लेकिन व्यक्तिगत सावधानी और जागरूकता ही सबसे बड़ा बचाव है। यदि हम समय रहते सतर्क हो जाएं और जरूरी उपाय अपनाएं, तो इस तपती गर्मी के असर को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

(L 103 जलवन्त टाऊनशिप पूणा बॉम्बे मार्केट रोड, नियर नन्दालय हवेली सूरत मो 99749 40324 वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार-स्तम्भकार)

आचार्य महाश्रमण की निर्गुण-चेतना से विश्व-शांति की नई दिशा

ललित गर्ग

मानव इतिहास के इस अशांत और संक्रमणकालीन दौर में जब विश्व का परिदृश्य युद्ध, हिंसा, आतंकवाद और वैचारिक टकरावों से आच्छादित है, तब शांति, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों की पुकार पहले से कहीं अधिक तीव्र हो उठी है। ऐसे समय में आचार्य महाश्रमण एक ऐसे आध्यात्मिक प्रकाशस्तंभ के रूप में उभरते हैं, जिनका चिंतन केवल किसी एक पंथ, सम्प्रदाय या राष्ट्र तक सीमित नहीं है, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के कल्याण का व्यापक दृष्टिकोण अपने भीतर समेटे हुए है। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व 'निर्गुण रंगी चदरिया' की उस अनुभूति को मूर्त करता है, जो गुणों के पार जाकर आत्मा की शुद्ध चेतना में स्थित होने का संदेश देती है। भगवद्गीता में अर्जुन को दिए गए श्रीकृष्ण के उपदेश 'त्रिगुणातीत बन जा' के अनुरूप आचार्य महाश्रमण का जीवन एक सजीव उदाहरण बनकर सामने आता है। उन्होंने सत्व, रज और तम के बंधनों को पार कर उस निर्गुण अवस्था को साधने का प्रयास किया है, जहाँ व्यक्ति न केवल आत्मबोध को प्राप्त करता है, बल्कि समष्टि के कल्याण का माध्यम भी बन जाता है। उनका यह दृष्टिकोण केवल दार्शनिक विमर्श नहीं, बल्कि व्यवहारिक जीवन में उतरा हुआ सत्य है। उनकी साधना 'सत्य की पूजा' नहीं करती, बल्कि 'सत्य की शल्य-चिकित्सा' करती है अर्थात् वे सत्य को केवल स्वीकार नहीं करते, बल्कि उसकी गहराई में उतरकर उसे परिष्कृत करते हैं। आचार्य महाश्रमण का जीवन 'रहें भीतर, जीएँ बाहर' के सूत्र पर आधारित है। यह सूत्र आधुनिक जीवन की जटिलताओं में संतुलन स्थापित करने का एक अद्वितीय मार्ग प्रस्तुत करता है। आज का मनुष्य बाहरी उपलब्धियों की दौड़ में अपने भीतर के शून्य को अनदेखा कर देता है, जिसके परिणामस्वरूप तनाव, असंतोष और हिंसा का जन्म होता है। आचार्य महाश्रमण का चिंतन इस अंतर्विरोध को समाप्त करने का प्रयास करता है। वे सिखाते हैं कि यदि भीतर शांति और संतुलन है, तो बाहर का जीवन स्वतः ही सुव्यवस्थित हो जाता है। यही कारण है कि उनकी साधना केवल आत्मिक उन्नति तक सीमित नहीं रहती, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का भी आधार बनती है। उनकी 'अहिंसा यात्रा' आज के समय की एक ऐतिहासिक और युगान्तरकारी पहल है, जो हमें दांडी यात्रा और भूदान आंदोलन की याद दिलाती है। यह यात्रा केवल एक पदयात्रा नहीं, बल्कि विचारों की क्रांति है-एक ऐसी क्रांति, जो हथियारों से नहीं, बल्कि संवाद, संवेदना और संस्कारों से संचालित होती है। देश-विदेश के विभिन्न क्षेत्रों में पैदल चलकर उन्होंने लाखों लोगों से सीधा संवाद स्थापित किया, उन्हें नशामुक्ति, सदाचार, नैतिकता और अहिंसा के मार्ग पर अग्रसर किया। आज जब विश्व के अनेक देश युद्ध और आतंकवाद की विभीषिका से जूझ रहे हैं, तब आचार्य महाश्रमण का यह प्रयास एक वैकल्पिक मार्ग प्रस्तुत करता है-एक ऐसा मार्ग, जहाँ शांति केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि एक व्यवहारिक संभावना बन जाती है। उनकी दृष्टि 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना को साकार करती है, जहाँ सम्पूर्ण विश्व एक परिवार के रूप में देखा जाता है। वे किसी व्यक्ति को उसके धर्म, जाति, वर्ग या क्षेत्र के आधार पर नहीं, बल्कि उसके भीतर विद्यमान गुणों के आधार पर आंकते हैं। यह दृष्टिकोण न केवल सामाजिक समरसता को बढ़ावा देता है, बल्कि वैश्विक स्तर पर शांति और सहयोग की नींव भी रखता है। आज जब पहचान की राजनीति और सांस्कृतिक विभाजन समाज को खंडित कर रहे हैं, तब आचार्य महाश्रमण का यह समन्वयवादी दृष्टिकोण अत्यंत प्रासंगिक हो उठता है। आचार्य महाश्रमण की सादगी, विनम्रता और अनुशासन उनके व्यक्तित्व की विशिष्ट पहचान हैं। आचार्य तुलसी और आचार्य महाप्रज्ञ जैसे महान आचार्यों के सान्निध्य में विकसित उनका जीवन एक ऐसी परंपरा का प्रतिनिधित्व करता है, जो आत्मानुशासन और सेवा को सर्वोच्च मूल्य मानती है। बाल्यावस्था में ही दीक्षा लेकर उन्होंने जिस तप, त्याग और समर्पण का मार्ग अपनाया, वह आज के भौतिकतावादी युग में एक प्रेरणास्रोत है। उनकी जीवन यात्रा मोहनलाल से मुनि मुदितकुमार, फिर महाश्रमण और अंततः आचार्य बनने तक एक ऐसी साधना गाथा है, जो यह सिद्ध करती है कि आत्मबल और संकल्प से किसी भी ऊँचाई को प्राप्त किया जा सकता है। आचार्य महाश्रमण की बौद्धिक प्रतिभा भी उतनी ही प्रभावशाली है, जितनी उनकी आध्यात्मिक साधना। उत्तराध्ययन सूत्र और भगवद्गीता जैसे महान ग्रंथों का तुलनात्मक अध्ययन कर उन्होंने यह सिद्ध किया है कि सत्य किसी एक परंपरा का एकाधिकार नहीं है। उनके प्रवचनों का संकलन 'सुखी बनो' इस दृष्टि का सशक्त उदाहरण है, जिसमें उन्होंने जीवन को सरल, सार्थक और संतुलित बनाने के सूत्र प्रस्तुत किए हैं। उनका चिंतन आगम, दर्शन, तर्कशास्त्र, मनोविज्ञान और समाजशास्त्र जैसे विविध क्षेत्रों को समाहित करता है, जिससे उनका व्यक्तित्व एक बहुआयामी मनीषी के रूप में उभरता है। आज के वैश्विक परिदृश्य में, जहाँ युद्ध की विभीषिका और परमाणु हथियारों की होड़ मानव अस्तित्व के लिए एक गंभीर खतरा बन चुकी है, वहाँ आचार्य महाश्रमण का 'अहिंसा का शंखनाद' एक जीवनदायी संदेश के रूप में सामने आता है। उनका यह विश्वास कि 'अहिंसा केवल एक सिद्धांत नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है', हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि क्या वास्तव में हिंसा के माध्यम से स्थायी शांति स्थापित की जा सकती है? उनका उत्तर स्पष्ट है-नहीं। शांति का मार्ग केवल संवाद, सहिष्णुता और करुणा से होकर गुजरता है। उनके प्रयासों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे केवल उपदेश नहीं देते, बल्कि स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। प्रतिदिन नई ऊर्जा और संकल्प के साथ वे मानव उत्थान के कार्यों में जुटे रहते हैं। उनकी दिनचर्या, उनका अनुशासन और उनका समर्पण यह दर्शाता है कि सच्चा नेतृत्व वही है, जो अपने आचरण से दूसरों को प्रेरित करे। उनके नेतृत्व में तेरापंथ धर्मसंघ न केवल संगठित और सशक्त हुआ है, बल्कि उसने समाज सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य और नैतिक जागरण के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। निश्चित तौर पर जैन धर्म के महान तपस्वी, अनुशासनप्रिय, दूरदर्शी और तेजस्वी आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में आध्यात्मिकता और आधुनिकता का अद्भुत संगम बनी जैन विश्व भारती में इस वर्ष योगक्षेम वर्ष के रूप में एक नया आध्यात्मिक इतिहास रचा जा रहा है, आध्यात्मिक प्रशिक्षण की एक नई परंपरा विकसित की जा रही है। देशभर में विचरण करने वाले साधु-संतों को एक जगह बुलाकर आचार्य महाश्रमण उन्हें अध्यात्म का प्रशिक्षण दे रहे हैं।

मेष राशिः मेष राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। कॉलेज में नए दोस्त बनेंगे जिनसे अच्छा ताल मेल बनेगा। छात्रों को आज किसी प्रैक्टिकल में सहपाठी की मदद मिलेगी, कार्य में आसानी होगी। राजनीति से जुड़े लोगों का पद बढ़ेगा, लोग आपका सपोर्ट करेंगे। आज आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिये आज आपको कुछ अच्छे मौके मिल सकते हैं। घर के किसी काम को लेकर आप बड़ा फैसला कर सकते हैं। संतान की ओर से आपको अच्छी खुशखबरी मिल सकती है। पारिवारिक जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी। पसंदीदा खाना खाने के लिए आप अच्छी डिश आर्डर कर सकते हैं। दफ्तर में उलझा हुआ मामला आज सुलझ सकता है। आपको बिजनेस संबंधी नए लोगों से जुड़ने का मौका मिल सकता है।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। परिवार के साथ किसी ट्रिप पर जायेंगे, जहां खूब इंजॉय करेंगे। नौकरी कर रहे लोगों को सफलता मिलती रहेगी। दाम्पत्य जीवन में चल रही नोक झोंक खत्म होगी, जीवनसाथी के साथ रिश्ता मजबूत बनेगा। वाहन खरीदने का विचार भाई से करेंगे, लाभदायक जानकारी मिलेगी।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए मिला जुला अनुभव लेकर आएगा। लवमेट आज घूमने जाने का प्लान बनायेंगे। प्रतियोगी परीक्षा के लिये प्रयासरत छात्रों को बड़ी सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। दांपत्य जीवन में आपसी ताल मेल बना रहेगा। स्वास्थ सम्बन्धी समस्या से आज आपको आराम मिलेगा।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आपका दिन आपके परिवार वालों के लिए नई खुशियां लेकर आया है। आज आपको शुभ सन्देश मिल सकता है, परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। कामकाज के मामले में परिस्थिति बेहतर रहेगी। आप खुद को सेहतमंद महसूस करेंगे। जीवनसाथी के साथ किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जा सकते हैं, इससे आपके रिश्ते की मजबूती बरकरार रहेगी।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। आज आप कुछ बेहतर करने के लिए नए तरीके अपना सकते हैं, काम करने में आसानी होगी। आज काम करने से पहले उसकी रूपरेखा जरूर बना लें। अपने आप पर विश्वास रखने से सफलता अवश्य मिलेगी। शाम को बच्चों के साथ समय बिताने पर आप राहत महसूस करेंगे।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज आपका दिन अच्छा बीतेगा। आज किसी बात को सोचकर आपका मन प्रसन्न रहेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। लेखन बौद्धिक आदि कार्यों से आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यस्थल पर अफसरों के साथ सद्भाव बनाकर रखेंगे। आपको तरक्की के मौके मिलेंगे। आप अपनी कड़ी मेहनत और सकारात्मक व्यवहार के जरिए कठिन परिस्थितियों से बाहर निकलेंगे।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आपके लिए परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी। आज आप किसी खेलकूद में हिस्सा ले सकते हैं। बिजनेस करने वालों को किसी अच्छी कंपनी से जुड़कर बिजनेस को बढ़ाने का सुनहरा मौका मिलेगा। बिजनेस से रिलेटेड यात्रा करनी पड़ेगी। आप कुछ अनुभवी लोगों से मिलेंगे जिससे आपको आगे चलकर लाभ मिलेगा।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज आपके लिए दिन पॉजिटिव रहेगा। ऑफिस में कलीग्स के साथ आपकी अच्छी तालमेल बनी रहेगी। सीनियर्स आपके काम से प्रसन्न होंगे। आपके लिए पदोन्नति के आसार हैं। आपका वेतन भी बढ़ सकता है। कार्य स्थल पर समझदारी पूर्वक लिए गए फैसले आपको बेहतर परिणाम देंगे। आपके कार्यों में जीवनसाथी का सहयोग आपको आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशियों की सौगात लेकर आया है। आप खुद को एनर्जी से भरा महसूस करेंगे। आज आप जिस काम को करेंगे, वो समय से पहले पूरा हो जायेगा। इस राशि के इंजीनीयर्

कंबोज, प्रिंस तैसे गेंदबाज राउंड द विकेट गेंदबाजी कर बल्लेबाजों पर बना रहे दबाव

एजेंसी, मुम्बई

इंडियपन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में युवा क्रिकेटरों ने कई प्रचलित धारणाओं को पीछे छोड़ दिया है। अंशुल कंबोज, प्रिंस यादव और विजयकुमार युवा गेंदबाजों ने दिखाया है कि कैसे राउंड द विकेट गेंदबाजी कर बल्लेबाजों पर कैसे दवाब बनाया जा सकता है। वहीं आम तौर पर माना जाता है कि दायें हाथ के बल्लेबाज को ओवर द विकेट गेंदबाजी की जाती है। इस सत्र में डेथ ओवर्स के दौरान 'राउंड द विकेट' आना एक बड़ी रणनीति बनकर उभरा है। राउंड द विकेट के दौरान गेंदबाज एक ऐसा कोण बनता है जिससे कि बल्लेबाज के पास शॉट खेलने के लिए पूरी जगह नहीं बचती है। अगर बल्लेबाज ऑफ-स्टंप की तरफ बढ़ता भी है, तो भी गेंदबाज के पास गेंद को और बाहर की तरफ स्विंग कराने या 'कटर' कराकर उसे आउट करने का अवसर रहता है। इसी कौशल का कंबोज, प्रिंस और विजयकुमार ने काफी अच्छा इस्तेमाल किया है। इन गेंदबाजों ने राउंड द विकेट से फेंकी गई सटीक यॉर्कर से बल्लेबाज को खेलने का कोई अवसर नहीं दिया है। इस सत्र के आंकड़े बताते हैं कि डेथ ओवर्स में राउंड द विकेट गेंदबाजी करते समय दाएं हाथ के तेज गेंदबाजों का इकोनॉमी रेट 8.4 रहा है, जबकि ओवर द विकेट यह 10.2 तक जा रहा है। इसका कारण बल्लेबाज की पहुंच को सीमित करना है। जब गेंदबाज राउंड द विकेट आता है, तो वह 'वाइड यॉर्कर' और भी सटीक फेंकता है जिससे बल्लेबाज के लिए उस कोण से आती गेंद को डीप मिड-विकेट या लॉन्ग-ऑन पर खेलना मुश्किल हो जाता है। इसका कारण है कि गेंद बल्लेबाज के शरीर से दूर जा रही होती है। वहीं नियमों के अनुसार ऑफ-साइड की वाइड लाइन से बल्लेबाजों के लिए असानी होती है पर राउंड द विकेट गेंदबाजी करते समय, गेंदबाज इस लाइन का बेहतर इस्तेमाल कर बल्लेबाज को घेर लेते हैं। इस सीजन में करीब 35 फीसदी विकेट डेथ ओवर्स में 'वाइड ऑफ द क्रीज' जाकर राउंड द विकेट पर मिले हैं. यह दर्शाता है कि गेंदबाज अब बल्लेबाजों को गेंद खेलने के लिए बाहर आने पर मजूबर कर रहे हैं। इससे साफ है कि अब गेंदबाज जान ये हैं कि विकेट केवल रफ्तार से नहीं सही कोण पर गेंद फेंकने से मिलेंगे।

शुरुआती विकेट गंवाना बना हार का कारण : पांड्या

एजेंसी, मुम्बई

मुम्बई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मिली हार पर निराशा जतायी है। मुम्बई की ये लगातार पांचवीं हार है। इसके लिए पांड्या ने टीम की खराब बल्लेबाजी पर निराशा जतायी है। उनका कहना है कि पावरप्ले में ही शुरुआती विकेट गिरने से मुम्बई को नुकसान हुआ। सीएसके की जीत में संजू सैमसन के शतक के साथ ही स्पिनर अकील हुसैन की घातक गेंदबाजी की भी अहम भूमिका रही है। सीएसके के हाथों मुम्बई को 103 रनों से बड़ी हार का सामना करना पड़ा है। इस जीत से जहां सीएसके छह अंक लेकर तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गई है, वहीं मुंबई इंडियंस चार अंकों के साथ आठवें स्थान पर फिसल गई है।

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए सीएसके ने सैमसन के नाबाद 101 रनों की पारी से 20 ओवर में 6 विकेट पर 207 रन बना दिये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई इंडियंस केवल 104 रन ही बना पायी। यह मुंबई इंडियंस की आईपीएल इतिहास में रनों के मामले में इतनी बड़ी हार है।

पांड्या ने कहा, पावरप्ले में शुरुआती विकेट खोना टीम के लिए नुकसानदेह रहा। इससे टीम लक्ष्य का पीछा करते समय दबाव में आ गयी। उन्होंने माना है कि टीम की बल्लेबाजी उम्मीद के अनुसार नहीं रही।

पांड्या ने आगे कहा, हमें बेहतर बल्लेबाजी करनी चाहिए थी। लक्ष्य का पीछा करने के लिए लय की आवश्यकता होती है पर हम उसे हासिल करने में विफल रहे। उन्होंने भविष्य की रणनीति पर बात करते हुए कहा, अब हमें कुछ दिनों का समय मिलेगा सोचने के लिए कि हम क्या बदलाव कर सकते हैं और कैसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकते हैं।

53 के हुए सचिन को मिली बधाईयां

एजेंसी, मुम्बई

महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर आज 53 साल के हो गये। इस अवसर पर उन्हें प्रशंसकों के साथ ही खेल जगत से भी बधाईयां मिल रही हैं। सचिन का क्रिकेट करियर इतना सुनहरा रहा है कि उनको क्रिकेट का भगवान तक कहा जाता है जिस प्रकार की लोकप्रियता उन्हें हासिल हुई है वैसी किसी अन्य क्रिकेटर को नहीं मिली है। अपने दो दशक से अधिक के क्रिकेट करियर में सचिन ने हजारों करोड़ रुपये की संपत्ति भी अर्जित की है। उन्होंने 16 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से करीब 40 साल की उम्र तक भारतीय क्रिकेट को सेवाएं दी। इतना लंबा करियर भारत ही नहीं विश्व में किसी क्रिकेटर का नहीं रहा। सचिन ने अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक लगाने का ऐसा रिकार्ड बनाया, जिसे तोड़ना असंभव नजर आता है। 200 टेस्ट मैचों में 15921 रन और 463 वनडे मैचों में 18426 रन उनके नाम दर्ज हैं। वनडे में पहला दोहरा शतक लगाने का गौरव भी सचिन के ही नाम है। सचिन का मुंबई के बांद्रा (वेस्ट) में पेरी क्रॉस रोड पर एक बेहद आलीशान बंगला है। लगभग 6000 स्क्वायर फीट में फैला यह तीन मंजिला घर करीब 80 से 100 करोड़ रुपए का है। इसके अलावा, उनका केरल में एक वॉटरफ्रंट बंगला और लंदन में भी संपत्ति है। इसके अलावा उनके पास करोड़ों रुपये की लक्जरी कारें भी हैं। इसमें बीएमडब्लयू , फरारी ओर पोर्श जैसी गाड़ियां रही हैं। उनकी ब्रांड वैल्यू रिटायरमेंट के इतने सालों बाद भी कम नहीं हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, उनकी कुल संपत्ति लगभग 1350 करोड़ से 1500 करोड़ रुपए के बीच है। रिटायरमेंट के बाद उनकी कमाई का मुख्य जरिया ब्रांड एंडोर्समेंट, विभिन्न व्यवसायों में निवेश और अन्य बिजनेस वेंचर हैं।

दिल्ली कैपिटल्स की ओर से एक मई के मैच में खेल सकते हैं स्टार्क

एजेंसी, सिडनी : ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क अब अपनी चोट से उबर गये हैं और सब कुछ ठीक रहा तो एक मई को होने वाले मैच में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से उतरेंगे। स्टार्क को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने आईपीएल में खेलने की अनुमति मिल गयी है। स्टार्क की वापसी से दिल्ली कैपिटल्स की गेंदबाजी बेहतर होगी। टीम का इस सत्र में मिला-जुला प्रदर्शन रहा है। ऐसे में उसके लिए स्टार्क का आना लाभदायक रहेगा। स्टार्क को बिग बैश लीग के दौरान कंधे और कोहनी में चोट लगी थी, जिसने उन्हें लंबे समय तक खेल से दूर रखा। हालांकि, अब वह पूरी तरह से फिट हो चुके हैं और सिडनी में कड़ी ट्रेनिंग के जरिए अपने वर्कलोड को धीरे-धीरे बढ़ा रहे हैं। उनकी फिटनेस पर लगातार नजर रखी जा रही थी और अब मेडिकल टीम ने उन्हें हरी झंडी दे दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मिचेल स्टार्क 25 अप्रैल तक दिल्ली पहुंचें सकते हैं। इसके बाद वह भारतीय हालातों के अनुरूप अपने को ढालने और टीम के साथ तालमेल बिठाने में कुछ समय लेंगे। ऐसे में वह 1 मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले महत्वपूर्ण मुकाबले में चयन के लिए उपलब्ध हो सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया पहुंचकर इलाज कर रहे कॉनोली

एजेंसी, चंडीगढ़। आईपीएल अंक तालिका में नंबर एक पर चल रही पंजाब किंग्स को बड़ा झटका लगा है। उसके बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया के कूपर कॉनोली चोटिल हो गये हैं। कूपर कॉनोली पीठ की चोट के कारण टूर्नामेंट बीच में ही छोड़कर स्वदेश लौट गए हैं। कॉनोली ने खुद सोशल मीडिया के माध्यम से अपने प्रशंसकों को इस खबर की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि वह ऑस्ट्रेलिया पहुंच चुके हैं और अपनी चोट का प्रबंधन कर रहे हैं पर साथ ही कहा कि जैसे ही वह फिट होने पंजाब की टीम से जुड़ जाएंगे। कॉनोली ने इस सत्र में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। जिससे उनकी कमी टीम को खलेगी। कॉनोली ने अपनी आक्रामक शैली और मैच जिताने की क्षमता का प्रदर्शन किया।

पंजाब किंग्स के लिए, कॉनोली इस सीजन के सबसे बड़े मैच विजेताओं में से एक बनकर उभरे थे। उन्होंने कई महत्वपूर्ण पारियां खेलीं, जिसमें गुजरात टाइटन्स के खिलाफ नाबाद 72 रन की पारी रही है, जिसने टीम को एक कठिन लक्ष्य का पीछा करने में मदद की। इसके अतिरिक्त, लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ उनकी 87 रन की तेज पारी ने भी टीम को दबाव की स्थिति से निकालकर जीत दिलायी। पंजाब किंग्स ने मौजूदा सीजन में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 6 में से 5 मुकाबले जीते हैं और आत्मविश्वास से लबरेज होकर अंक तालिका में शीर्ष पर काबिज हैं। कॉनोली जैसे प्रभावशाली ऑलराउंडर की अनुपस्थिति निश्चित रूप से टीम के संतुलन और रणनीति पर असर डालेगी। उनकी धमाकेदार बल्लेबाजी की कमी टीम को मध्य क्रम में महसूस हो सकती है, और उनकी जगह भरना कप्तान और टीम प्रबंधन के लिए एक बड़ी चुनौती होगी। टीम को अब ऐसे खिलाड़ी की तलाश होगी जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी और जरूरत पड़ने पर गेंदबाजी की भूमिका को कुछ हद तक पूरा कर सके।

बिजनेस

लगातार तीसरे दिन शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में गिरावट का रुख

एजेंसी, नई दिल्ली

कमजोर ग्लोबल संकेतों और कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी के कारण घरेलू शेयर बाजार में आज लगातार तीसरे दिन शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख बना हुआ है। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक सुधर कर हरे निशान में पहुंच गए। इसके कुछ देर बाद ही बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इन दोनों सूचकांकों ने सारी बढ़त गंवा कर दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.90 प्रतिशत और निफ्टी 0.80 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से कोल इंडिया, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज ऑटो, नेस्ले और ग्रासिम इंडस्ट्रीज के शेयर 1.68 प्रतिशत से लेकर 0.75 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, एचसीएल टेक्नोलॉजी, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, सन फार्मास्युटिकल्स और टीसीएस के शेयर 4.14 प्रतिशत से लेकर 2.46 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,762 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 725 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 2,037 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से पांच शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 25 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 12 शेयर हरे निशान में और 38 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 180.20 अंक की कमजोरी के साथ 77,483.80 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक उछल कर हरे निशान में 77,710.82 अंक के स्तर तक आ गया। हालांकि सेंसेक्स की यह मजबूती अधिक देर तक टिक नहीं सकी। थोड़ी देर में ही बाजार में जोरदार बिकवाली शुरू हो गई, जिससे इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई।

लगातार हो रही बिकवाली के कारण यह सूचकांक सुबह 10 बजे के करीब लाल निशान में 76,829.10 अंक के स्तर तक गिर गया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 702.30 अंक की गिरावट के साथ 76,961.70 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 72.50 अंक लुढ़क कर 24,100.55 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक ओपनिंग लेवल से करीब 105 अंक उछल कर हरे निशान में 24,206 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि थोड़ी देर बाद ही बिकवाली का दबाव बन गया, जिससे निफ्टी अपनी सारी बढ़त खोकर दोबारा लाल निशान में गिर गया।

लगातार हो रही बिकवाली के कारण इस सूचकांक ने थोड़ी देर बाद ही 24,000 अंक के स्तर को भी ब्रेक कर दिया। बिकवाली के दबाव में यह सूचकांक सुबह 10 बजे के करीब गिर कर 23,944.10 अंक के स्तर तक चला गया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 193.15 अंक की कमजोरी के साथ 23,979.90 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

स्टॉक मार्केट में मेहुल टेलिकॉम की शानदार शुरुआत, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

टेलिकॉम सेक्टर में काम करने वाली कंपनी मेहुल टेलिकॉम लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में प्रीमियम एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 98 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग दस प्रतिशत से अधिक प्रीमियम के साथ 108 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 109.90 रुपये के स्तर पर पहुंचा। वहीं मुनाफा वसूली के चक्कर में बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये शेयर टूट 104 रुपये के स्तर तक भी आया। बाजार में लगातार जारी खरीदी बिक्री के बाद सुबह 10:45 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 107.75 रुपये के स्तर पर बने हुए थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशक 9.75 रुपये यानी 9.95 प्रतिशत के फायदे में थे। मेहुल टेलिकॉम लिमिटेड का 88.02 करोड़ रुपये का आईपीओ 17 से 21 अप्रैल के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 44.91 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 32.5 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 79.38 गुना सब्सक्रिप्शन आया था।

इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 37.41 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 28,29,600 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। मेहुल टेलिकॉम लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को एक लाख रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। इसके अगले साल 2024-25 में कंपनी फायदे में आ गई। इस साल कंपनी को 5.74 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ। मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 7.07 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस अवधि में कंपनी के कर्ज में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत तक कंपनी पूरी तरह से कर्ज मुक्त थी। लेकिन वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी पर सात लाख रुपये का कर्ज हो गया। इसी तरह मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी पर 3.72 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ लद चुका है। इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में ये नौ लाख रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 17.10 करोड़ रुपये हो गया। वहीं मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक ये 24.18 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमॉर्टाइजेशन) 2023-24 में 3.04 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 8.02 करोड़ रुपये हो गया।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी में भी बड़ी गिरावट

एजेंसी, नई दिल्ली

सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में आज लगातार पांचवें दिन कमजोरी नजर आ रही है। सोने की तरह ही चांदी ने भी आज गोता लगाया है। सोना आज 1,100 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,200 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी आज 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना आज 0.49 प्रतिशत गिर कर 4,675.50 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर आ गया है। इसी तरह चांदी भी आज 76.37 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आई गिरावट की वजह से भारत में भी हाजिर सोने और चांदी की कीमत में गिरावट का रुख बना हुआ है। आज की इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,53,540 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,54,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,40,740 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,41,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी के भाव में आई गिरावट के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,53,690 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,53,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

एजेंसी, नई दिल्ली । ग्लोबल मार्केट से आज कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार गिरावट का रुख बना रहा। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजार में भी आज आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है। पश्चिम एशिया में एक बार फिर तनाव बढ़ जाने की आशंका के कारण पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में घबराहट का माहौल बना रहा। इस घबराहट की वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक कमजोरी के साथ लाल निशान में बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.41 प्रतिशत फिसल कर 7,108.39 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 219.06 अंक यानी 0.89 प्रतिशत टूट कर 24,438.50 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज फिलहाल 139.03 अंक यानी 0.28 प्रतिशत लुढ़क कर 49,171.29 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,457.01 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,155.45 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में तेजी जारी, 107 डॉलर के स्तर तक पहुंचा ब्रेंट क्रूड

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज लगातार पांचवें दिन क्रूड ऑयल (कच्चा तेल) की कीमत में तेजी का रुख बना हुआ है। ब्रेंट क्रूड आज 107 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक उछल गया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी आज 97.60 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि बाद में कच्चे तेल की कीमत में मामूली गिरावट भी दर्ज की गई। अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली शांति वार्ता टलने और होर्मुज स्ट्रेट के मसले पर दोनों देशों के आमने सामने आ जाने की वजह से इस प्रमुख समुद्री रास्ते के जरिये होने वाली कच्चे तेल की सप्लाई लगभग ठप पड़ी हुई है और निकट भविष्य में इसके शुरू होने की संभावना भी नजर नहीं आ रही है। इसी वजह से कच्चे तेल की कीमत में लगातार तेजी का रुख बना हुआ है। आज ब्रेंट क्रूड ने तेजी दिखाते हुए 105 डॉलर के स्तर से भी ऊपर 106.12 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। थोड़ी देर में ही यह उछल कर 107 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। भारतीय समय के अनुसार सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद ब्रेंट क्रूड 0.90 प्रतिशत की तेजी के साथ 105.99 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह डब्ल्यूटीआई क्रूड ने आज 96 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर 96.77 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। थोड़ी देर में ही यह उछल कर 97.60 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि बाद में इसके भाव में मामूली गिरावट भी दर्ज की गई। भारतीय समय के अनुसार सुबह 10 बजे डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.55 प्रतिशत की उछाल के साथ 96.38 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

बॉलीवुड अभिनेता आमिर ने नए दौर के स्टार्स की आदतों पर जताई नाराजगी

फिल्म इंडस्ट्री में बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान ने कुछ चीजों को अपनी दूरदर्शिता और सिद्धांतों के दम पर बदला है। मीडिया चर्चा में आमिर खान ने खुलासा किया था कि जब वह नए-नए भारतीय सिनेमा जगत में आए थे, तो उन्होंने कुछ ऐसी चीजों को नोटिस किया जो उन्हें बेहद अजीब और अनुचित लगीं। आमिर खान ने इन चीजों को बदलने का फैसला किया और अपनी दृढ़ता से उन्हें बदलकर ही दम लिया, जिससे बॉलीवुड में एक नया मानक स्थापित हुआ।

मीडिया से बातचीत में आमिर खान ने बताया, जब मैं इंडस्ट्री में आया था, तब एक सिस्टम था कि जब कोई स्टार आता है, तो उसके ड्राइवर का पैसा और उसके बॉय (पर्सनल असिस्टेंट) का पैसा प्रोड्यूसर देता है। इस प्रथा पर सवाल उठाते हुए आमिर खान ने आगे कहा, तब मैंने सोचा कि यार, बॉय और ड्राइवर तो मेरे लिए काम करते हैं ना। तो प्रोड्यूसर क्यों उनका पैसा देगा? मैं बहुत खुद्दार आदमी हूं, मुझे नहीं चाहिए कि आप मेरे पैसे दें। कल को क्या आप मेरे बच्चे के स्कूल की फीस भी भरेंगे? यह किसी हद पर जाकर तो रुकना चाहिए ना।

आमिर खान का मानना था कि प्रोड्यूसर को सिर्फ उतना खर्च करना चाहिए जो फिल्म के निर्माण पर आधारित है। उन्होंने सुझाया कि प्रोड्यूसर को मेकअप मैन का पैसा, हेयर ड्रेसर का पैसा या कॉस्ट्यूम वाले का पैसा देना चाहिए, क्योंकि ये सब सीधे फिल्म से जुड़े होते हैं। आमिर खान ने स्पष्ट रूप से कहा कि उन्हें यह पसंद नहीं था कि प्रोड्यूसर उनके बॉय और ड्राइवर का पैसा क्यों देंगे। उन्होंने नए दौर के स्टार्स की कुछ आदतों पर अपनी नाराजगी भी जाहिर की। आमिर खान ने कहा, जब आप एक हद से ज्यादा प्रोड्यूसर को तंग करने लगते हो, तो वह गलत है। जब मैं सुनता हूं कि आपकी जरूरतों और फरमाइशों की लिस्ट जब बहुत लंबी होती चली जाती है, तो मुझे बहुत तकलीफ होती है। सुपरस्टार ने बताया कि उनके बॉय और ड्राइवर उनके लिए काम करते हैं और इसलिए वह उन्हें खुद पैसा देंगे। उन्होंने कहा, मैं अच्छा कमा रहा हूं और मैं उन्हें अच्छा पैसा दूंगा। मैंने अपने करियर की शुरुआत से ही यह नियम बनाया कि मेरा बॉय और ड्राइवर किसी प्रोड्यूसर से पैसा नहीं लेगा। आमिर ने कहा कि उन्हें आज भी नए स्टार्स से इस बात पर चिढ़ होती है कि वे अपने नखरों और अनावश्यक फरमाइशों का पूरा बोझ प्रोड्यूसर्स पर डाल देते हैं, जो इंडस्ट्री के लिए एक स्वस्थ प्रथा नहीं है। वर्क फ्रंट की बात करें तो आमिर खान की पिछली फिल्म सितारे जमीन पर थी, जिसे दर्शकों का बेशुमार प्यार मिला। आमिर खान अब बतौर एक्टर कम और बतौर प्रोड्यूसर ज्यादा एक्टिव हैं। उनकी सनी देओल स्टारर फिल्म लाहौर 1947 अनाउंसमेंट के वक्त से ही सुर्खियों में बनी हुई है।

लईकी लईका के नए पोस्टर में दिखी राशा थडानी की झलक

पिछले साल फिल्म 'आजाद से बॉलीवुड में अपना डेब्यू करने वाली रवीना टंडन की बेटी अभिनेत्री राशा थडानी की नई फिल्म आ रही है। इस फिल्म का नाम है 'लईकी लईका। इस फिल्म में राशा के साथ 'मुंज्या फेम अभिनेता अभय वर्मा प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। आज मेकर्स ने फिल्म से दोनों के पोस्टर जारी कर दिए हैं। इन पोस्टर्स में राशा और अभय एक साथ नजर आ रहे हैं। फिल्म एक रोमांटिक ड्रामा है। जारी हुए पोस्टर्स में फिल्म के इस अनोखे नए लुक में दोनों कलाकार आधुनिक ग्रैफिटी के साथ स्ट्रीट स्टाइल में नजर आ रहे हैं। मेकर्स ने कई पोस्टर जारी किए हैं। इनमें पहले पोस्टर में अभय वर्मा और राशा थडानी एक संकरी, धुंधली गली में एक दूसरे को गले लगाते हुए और खून से लथपथ नजर आ रहे हैं। अभय ने गहरे रंग की, टेक्सचर्ड जिप-अप जैकेट पहनी है, जिस पर फटे-पुराने निशान साफ दिख रहे हैं। वहीं राशा ने हल्के रंग की पारंपरिक कुर्ती पहनी है जिस पर खून के छींटे लगे हैं। एक पोस्टर में अभय और राशा एक-दूसरे के कंधे पर सिर रखे हुए हैं और विपरीत दिशाओं में देख रहे हैं। दोनों के चेहरों पर खून के धब्बे नजर आ रहे हैं। मेकर्स ने दोनों के सिंगल पोस्टर भी जारी किए हैं। इसमें राशा अपने सिर को दुपट्टे से ढके हुए हैं। उनके पीछे एक गंदी दीवार नजर आ रही है। जिस पर कई तरह के धब्बे बने हुए हैं।

हॉन्टेड 3डी की डरावनी झलक वायरल, 12 जून को रिलीज होगी विक्रम भट्ट की ये हॉरर फिल्म

1920 हॉन्टेड 3डी और शापित जैसी हॉरर फिल्म बनाने वाले विक्रम भट्ट की नई हॉरर फिल्म हॉन्टेड 3डीः एकोस ऑफ द पास्ट दस्तक देने के लिए तैयार है. मेकर्स ने फिल्म को 12 जून को रिलीज करने का फैसला लिया है. अब फिल्म का पहला मोशन पोस्टर रिलीज किया है. मोशन पोस्टर के रिलीज से दर्शकों के बीच एक्साइटमेंट बढ़ गया है, क्योंकि विक्रम भट्ट की हॉरर फिल्में वाकई लोगों के दिलों में दशहत पैदा करती हैं.

हॉन्टेड 3डीः एकोस ऑफ द पास्ट का मोशन पोस्टर भारतीय फिल्म निर्माता आनंद पंडित ने शेयर किया है। मोशन पोस्टर को एआई की मदद से डरावना बनने की कोशिश की गई है. शुरुआत के कांच के गोले से होती है और फिर अचानक एक डरावनी गुड़िया की झलक दिखाई देती है. पोस्टर में मिमोह चक्रवर्ती की झलक भी दिखने को मिली है. बता दें कि फिल्म में मिमोह चक्रवर्ती के अलावा चेतना पांडे, श्रुति प्रकाश, गौरव बाजपेयी, प्रणीत भट्ट और हेमंत पांडे दिखने वाले हैं.

फिल्म का निर्माण आनंद पंडित, राकेश जुनेजा और प्रोमोएज मीडिया प्राइवेट लिमिटेड ने मिलकर किया है. फिल्म का निर्देशन विक्रम भट्ट ने किया है.

हॉन्टेड 3डीः एकोस ऑफ द पास्ट फिल्म काफी समय से रिलीज का इंतजार कर रही है. पहले फिल्म 21 नवंबर, 2025 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन फिल्म की रिलीज को बदलकर 30 जनवरी 2026 और फिर 6 फरवरी 2026 तक टाल दिया गया. अब मेकर्स ने फिल्म को 12 जून को रिलीज करने का फैसला लिया है.

नेशनल क्रश बनने के बाद भी मेधा शंकर को नहीं मिले शादी के प्रपोजल

रिश्तेदारों को लेकर किया बड़ा खुलासा

मेधा शंकर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म जिन्नी वेड्स सनी 2 को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं. इस फिल्म में दिल्ली की एक चुलबुली लड़की और एक छोटे शहर के शर्मीले लड़के की कहानी को दिखाया गया है.फिल्म में अरेंज मैरिज की मुश्किलों पर फोकस किया गया है.

अब हाल ही में एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू के दौरान ऐसे लोगों के बारे में बात की जो अलग-अलग पर्सनैलिटी के होने के बाद भी एक-दूसरे की तरफ आकर्षित हो जाते हैं.

मेधा ने कहा,हां, मैं ऐसा मानती हूं.अगर दो लोगों की पर्सनैलिटी अलग-अलग हो, तो उनमें अट्रैक्शन हो सकता है. लेकिन, उनके वैल्यूज सेम होने चाहिए. मालूम हो मेधा की फिल्म 12वीं फेल जब हिट हुई थी, तब लोगों ने उन्हें नेशनल क्रश का टैग दे दिया था.लेकिन, नेशनल क्रश बनने के बाद भी एक्ट्रेस को एक भी प्रपोजल नहीं मिला. मेधा ने बताया कि 12वीं फेल से पहले उनके रिश्तेदार अक्सर रिश्ता लेकर आया करते थे.

वो चाहते थे कि एक्ट्रेस लड़कों से मिलें और अरेंज मैरिज करें. मेधा ने कहा,पहले वो बार-बार इस बारे में बात करते थे. उन्हें नहीं लगता था कि मैं अपने करियर में सक्सेसफुल हो पाऊंगी.उन्हें लगता था कि एक्टिंग सिर्फ मेरा शौक है और चार साल के बाद मैं घर वापस लौट जाऊंगी. एक्ट्रेस ने आगे कहा, 12वीं फेल के बाद मेरी लाइफ में सबकुछ बदल गया. रिश्तेदारों को लगने लगा कि मेरा करियर कहीं न कहीं आगे बढ़ रहा है.

इसलिए अब कोई भी मेरे लिए शादी के रिश्ते नहीं लाता. मेधा ने आगे कहा कि उनका परिवार हमेशा उनके सपोर्ट में रहता है और शादी को लेकर प्रेशर क्रिएट नहीं करता है.मेधा ने कहा,मेरे पापा ने कभी भी शादी को लेकर मेरे ऊपर दवाब नहीं बनाया. मैं इस मामले में खुद को लकी मानती हूं. हां, वो इतना जरूर कहते हैं कि सही समय पर और सही इंसान से शादी कर लेना. वो समझते हैं कि फिलहाल मेरा काम ज्यादा जरूरी है. अभी शादी में वक्त है, लेकिन आगे चलकर मैं शादी जरूर करूंगी.

खतरनाक मिशन पर निकलीं प्रियंका चोपड़ा, रिलीज हुआ सिटाडेल 2 का एक्शन पैक्ड ट्रेलर

बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक अपनी पहचान बना चुकी एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा हमेशा सुर्खियां में रहती है. वहीं इन दिनों वो अपनी हॉलीवुड सीरीज सिटाडेल को लेकर चर्चा में है. साल 2023 में एक्ट्रेस सीरीज 'सिटाडेल में नजर आई थीं और इसे दर्शकों ने खूब पसंद किया था. वहीं अब तीन साल के लंबे इंतजार के बाद सिटाडेल अपने दूसरे सीजन के साथ वापसी कर रहा है. नए सीजन का ट्रेलर भी रिलीज हो गया है. हाल ही में मेकर्स ने सिटाडेल के दूसरे सीजन का ट्रेलर रिलीज किया, जिसमें पहले से कहीं ज्यादा डार्क और खतरनाक मिशन की झलक देखने को मिली. ट्रेलर में प्रियंका एक बार फिर से नदिया सिंह के रोल में अपने एक्शन अवतार में नजर आई. ट्रेलर में प्रियंका चोपड़ा और रिचर्ड मैडेन एक नए और खतरनाक मिशन पर निकलते हैं. एक्शन से भरपूर इस ट्रेलर में जहां ग्लोबल लेवल के हाई-रिस्क मिशन की झलक मिलती है, वहीं कई चौंकाने वाले धोखों और नए एजेंट्स की एंट्री का होती दिख रही है. वहीं मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया है. सिटाडेल सीजन 2 अगले महीने 6 मई 2026 से ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगा. इसमें टोटल 7 एपिसोड होंगे. सीजन 2 में प्रियंका चोपड़ा और रिचर्ड मैडेन के अलावा, स्टेनली टुची, लेस्ली मैनविल, एशले कमिंग्स, जैक रेयनोर, मैट बेरी, लीना अल अरबी, मर्ले डैंड्रिज, गैब्रियल लियोन और रायना वैलैंडिंगहम भी हैं. सिटाडेल सीजन 2 के ट्रेलर ने रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर धूम मचा दी है. यूजर्स इसे लेकर काफी एक्साइटेड नजर आ रहे हैं और हाई-ऑक्टेन एक्शन, शानदार विजुअल्स के साथ-साथ प्रियंका चोपड़ा और रिचर्ड मैडेन की केमिस्ट्री की जमकर तारीफ कर रहे हैं. बता दें, ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा लंबे टाइम के बाद इंडियन फिल्म में बड़े पर्दे पर नजर आने वाली. वो एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी का हिस्सा हैं. फिल्म में प्रियंका के साथ महेश बाबू नजर आने वाले हैं.

ओवरसीज के नए किंग बने रणवीर सिंह!

धुरंधर 2 ने यूके में शाहरुख खान की पठान को दी मात, बनी नंबर 1 फिल्म

आदित्य धर निर्देशित 'धुरंधर 2 को सिनेमाघरों में रिलीज हुए एक महीने से ज्यादा हो गया तब भी ये बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा रही है. वहीं रणवीर सिंह स्टारर इस फिल्म ने अब अपनी रिकॉर्ड बुक में एक और उपलब्धि शामिल कर ली है. दरअसल ये स्पाई एक्शन थ्रिलर फिल्म यूनाइटेड किंगडम (यूके) में अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई है, इसी के साथ इसने शाहरुख खान की फिल्म को पछाड़ दिया है. धुरंधर 2 के साथ रणवीर सिंह अब पूरी दुनिया के बॉक्स ऑफिस के बादशाह बन गए हैं और उन्होंने यूके में शाहरुख खान को मात दे दी है. दरअसल रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने अब तक ब्रिटेन में लगभग 4388 मिलियन पाउंड की कमाई कर ली है. इसके साथ ही इसने शाहरुख खान की फिल्म पठान को पीछे छोड़ दिया है, जिसने 4380 मिलियन पाउंड की कमाई की थी. दिलचस्प बात ये है कि ये स्पाई थ्रिलर अभी भी सिनेमाघरों में चल ही रही है और यह वहां की सबसे बड़ी फिल्म बन चुकी है, इसका पूरा क्रेडिट रणवीर सिंह के हमज़ा और जसकीरत वाले किरदारों को जाता है, जिनका जादू लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है. बता दें कि पिछले 20 सालों से यूके का मार्केट खान सुपरस्टार्स का गढ़ माना जाता था. लेकिन अब रणवीर सिंह ने वहां कब्जा कर लिया है और वह बॉक्स ऑफिस के नए बादशाह बन गए हैं. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उन्होंने कई बड़े रिकॉर्ड बनाए हैं. पहले वह हिंदी फिल्मों में 1000 करोड़ क्लब की शुरुआत करने वाले एक्टर बने, फिर अल्लू अर्जुन की पुष्पा को पीछे छोड़ा और अब दो दर्जन से ज्यादा रिकॉर्ड तोड़ चुके हैं. उनकी यह परफॉरमेंस अब तक की सबसे बेहतरीन मानी जा रही है, जिसने दर्शकों को दीवाना बना दिया है. इस जीत को जो चीज़ सबसे बड़ी बनाती है, वह है हर इलाके में रणवीर का बढ़ता दबदबा। नॉर्थ अमेरिका में राज करने से लेकर ऑस्ट्रेलिया और यहाँ तक कि खाड़ी देशों में बैन के बावजूद जर्मनी जैसे मार्केट्स में अपनी पकड़ बनाना, यह दिखाता है कि बॉक्स ऑफिस के हर कोने पर उनका शासन है. भारत में तो वह 1000 करोड़ हिंदी नेट क्लब के फाउंडर बन चुके हैं, एक ऐसा पैमाना जिसने न केवल उन्हें अपने साथियों से बहुत आगे खड़ा कर दिया है, बल्कि हिंदी फिल्मों की कामयाबी की सीमाओं को भी फिर से लिख दिया है.

शेपवियर के लिए सही साइज चुनने के लिए आजमाएं ये 5 तरीके

शेपवियर एक ऐसा कपड़ा है, जो शरीर को एक अच्छा फिगर देने में मदद करता है। सही साइज का शेपवियर चुनना बहुत जरूरी है ताकि यह आरामदायक हो और सही तरीके से काम करें। गलत साइज का शेपवियर पहनने पर न केवल आपको असुविधा हो सकती है, बल्कि यह आपके लुक को भी बिगाड़ सकता है। आइए जानते हैं कि शेपवियर खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखें।

माप लें – सबसे पहले अपने शरीर के माप लें। इसके लिए एक नापने वाली टेप लें और अपने कूल्हों, कमर और पेट का माप लें। यह माप आपके शरीर के सबसे चौड़े हिस्सों पर लें ताकि शेपवियर सही तरीके से फिट हो सके। इसके अलावा अपने कंधों और पीठ के माप भी लें, खासकर अगर आप शेपवियर वाली कमीज या टॉप खरीद रहे हैं। इस तरह आप सही साइज़ का शेपवियर चुन पाएंगे।

ब्रांड चार्ट पर ध्यान दें- हर ब्रांड का शेपवियर अलग-अलग आकार में आता है, इसलिए खरीदने से पहले ब्रांड चार्ट जरूर देखें। इससे आपको पता चलेगा कि आपके माप के अनुसार कौन सा साइज लेना चाहिए। अलग-अलग कंपनियों में साइज में फर्क हो सकता है, इसलिए हमेशा ब्रांड चार्ट देखकर ही खरीदारी करें। इससे आप अपने लिए सबसे उपयुक्त और आरामदायक शेपवियर चुन पाएंगे। सही साइज चुनने से आप अपने लुक को बेहतर बना सकते हैं।

कपड़े की गुणवत्ता पर ध्यान दें- शेपवियर के कपड़े की गुणवत्ता भी बहुत महत्वपूर्ण होती है। कुछ शेपवियर नायलॉन या स्पैन्डेक्स से बने होते हैं, जो लचीले होते हैं और आसानी से शरीर को लपेटते हैं, वहीं कुछ सूती कपड़े से बने होते हैं, जो त्वचा को हवा लगने देते हैं। अगर आप पूरे दिन शेपवियर पहनकर रखना चाहते हैं तो लचीले कपड़े वाला विकल्प बेहतर रहेगा क्योंकि ये अधिक आरामदायक होते हैं। इसके अलावा ये पसीने को सोखने में भी मदद करते हैं।

आरामदायक फिटिंग चुनें- शेपवियर का उद्देश्य शरीर को एक चिकनी सिल्हूट देना है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि इसे बहुत टाइट या बहुत ढीला लिया जाए। ऐसा शेपवियर चुनें, जो आपकी त्वचा से हल्का सा दबाव डालता हो, लेकिन इसे पहनने में असुविधा महसूस न हो। सही फिटिंग वाला शेपवियर आपके शरीर को सही तरीके से सपोर्ट करेगा और आपको पूरे दिन आरामदायक महसूस होगा। इससे आपका लुक भी बेहतरीन रहेगा और आप खुद को आत्मविश्वास से भरा हुआ पाएंगे।

पहनकर देखें- अगर संभव हो तो शेपवियर पहनकर देखें और देखें कि यह कैसे दिखता है। इससे आपको पता चलेगा कि कौन सा साइज आपके लिए सबसे अच्छा रहेगा। अगर आप ऑनलाइन खरीदारी कर रहे हैं तो ग्राहक समीक्षा पढ़ें और लोगों द्वारा दिए गए फीडबैक पर ध्यान दें ताकि आप सही चुनाव कर सकें। इस तरह आप अपने लिए सबसे उपयुक्त और आरामदायक शेपवियर चुन पाएंगे, जो आपके शरीर को सही तरीके से सपोर्ट करेगा।

Fugitive Accused in Delhi's Adarsh Nagar Murder Case Arrested

New Delhi. The Anti-Narcotics Task Force (ANTF) of the Delhi Police Crime Branch has arrested one of the fugitives involved in the high-profile murder case that took place within the jurisdiction of the Adarsh Nagar Police Station in Delhi. Since the incident, the accused had been constantly changing his hideouts to evade the police and was attempting to flee the capital; however, thanks to precise intelligence and strategic planning by the police, he was finally apprehended. Rahul Alwal, Deputy Commissioner of Police (DCP) for the Crime Branch, stated on Friday that on April 23, the team received specific intelligence that Arbaz Ali—an accused wanted in the murder case—was planning to flee Delhi and was likely to exit via the Outer Ring Road. Taking

this information seriously, the ANTF team took immediate action and laid a trap on the Outer Ring Road between Mukundpur and Burari. Shortly thereafter, based on suspicious activity, the accused was identified and nabbed at the spot. The investigation revealed that on April 19, 2026, the accused, Arbaz Ali—along with his accomplices, Ritik and Kunal—launched a murderous assault on a couple in the slum cluster located at the Transport Centre in Azadpur. The accused inflicted multiple stab wounds upon Rakhi and her husband, Anshu. Rakhi, who sustained critical injuries in the attack, was rushed to a hospital, where she succumbed to her injuries during treatment. Her husband, Anshu, survived the attack, albeit in an injured condition. Following the incident, all three accused fled the scene. The local police had already taken swift action to arrest the co-accused, Ritik and Kunal; however, Arbaz Ali had remained at large. Several teams were deployed to effect his arrest, and continuous raids were being conducted at his suspected hideouts. According to the Deputy Commissioner of Police, the Crime Branch's ANTF successfully tracked the accused's location through technical surveillance and with the assistance of informants. As soon as intelligence was received indicating that he was attempting to leave Delhi, the team executed the operation and successfully apprehended him. During interrogation, the accused admitted to his involvement in the crime. According to the police, Arbaz Ali is 20 years old and resides in the Mukundpur Part-1 and Shalimar Village areas. Preliminary investigations have revealed no prior criminal history. He has been arrested under the relevant sections of the law.

MPs Who Joined BJP Have Betrayed Punjab: AAP

New Delhi. The Aam Aadmi Party (AAP) has termed the joining of seven Rajya Sabha MPs—led by Raghav Chadha—into the Bharatiya Janata Party (BJP) as 'Operation Lotus,' describing it as a betrayal of the people of Punjab. Speaking at a press conference at the party headquarters here on Friday, AAP leader and Rajya Sabha MP Sanjay Singh accused the BJP of utilizing fear and the administrative machinery to poach party leaders into its own fold. He asserted that, intimidated by the performance of Punjab's Bhagwant Mann government, the BJP has attempted to undermine and weaken his party. Sanjay Singh named all seven MPs one by one, highlighting how the party had elevated them to their current stature, only for them to commit an act of treachery against both the party and the state of Punjab. He declared that the people of Punjab would never forgive them. He further noted that the Enforcement Directorate (ED) had recently conducted a raid at the premises of Ashok Mittal, alleging that the BJP subsequently coerced him into joining their party by instilling fear. It is noteworthy that Raghav Chadha, Sandeep Pathak, and Ashok Mittal held a press conference at the Constitution Club today, where they announced—along with four other members—their decision to join the BJP.

Brief news

Fire at Jamia Nagar Publishing House in Delhi Brought Under Control

New Delhi. Chaos ensued in Delhi's Jamia Nagar area on Friday morning following a sudden fire outbreak at a publishing house. The fire broke out in the rear section of Markazi Maktaba Islami Publishers, located in Abul Fazal Enclave. Upon receiving the information, teams from the Fire Department and the police rushed to the scene and, after nearly two hours of arduous effort, successfully brought the fire under control. According to the Fire Department, the report of the fire was received around 7:58 AM. Immediately after the initial call, six fire tenders were dispatched to the site in succession. The fire had erupted on the first floor of the two-story building and was spreading rapidly. During the ensuing scramble to escape, one individual sustained serious injuries. Firefighters immediately evacuated the injured man and admitted him to a nearby hospital. He has been identified as 56-year-old Javed, who suffered a severe head injury and is currently undergoing treatment. According to fire officials, the blaze engulfed computers, furniture, and a large number of books stored on the first floor, resulting in significant damage. Firefighters had to exert considerable effort to bring the fire under control. According to the police, preliminary investigations suggest that a short circuit was the likely cause of the fire; however, a detailed inquiry is currently underway to ascertain the exact reasons behind the incident.

Youth Shot in Karol Bagh; Condition Critical

New Delhi. An incident of shooting was reported late Thursday night in the Karol Bagh area of the Central District. A young man sustained critical injuries in the incident. The injured victim has been admitted to a hospital for treatment, where his condition remains critical. The police have registered a case of attempted murder and have initiated an investigation. Rohit Rajbir Singh, Deputy Commissioner of Police (Central District), stated on Friday that information was received from Lady Hardinge Hospital around 3:55 AM, reporting that a youth named Rohit had sustained a gunshot wound. In his initial statement to the police, he provided some details regarding the attackers; based on this information, a search for the accused has been launched. Upon receiving news of the incident, a police team immediately rushed to the scene, and a forensic team also inspected the crime site. During the investigation, two spent cartridges and one live cartridge were recovered from the spot, leading to the inference that the attackers fired three rounds. Police officials stated that the motive behind the attack has not yet been ascertained. Footage from nearby CCTV cameras is being scrutinized, and efforts are underway to identify the suspects.

Seven Aam Aadmi Party MPs Quit Party, Merge with BJP

New Delhi. Seven Rajya Sabha members of the ruling Aam Aadmi Party (AAP) in Punjab have resigned from their party membership and have decided to merge with the Bharatiya Janata Party (BJP). Party MPs—Raghav Chadha, Ashok Mittal, and Sandeep Pathak—made this announcement on Friday during a press conference held here at the Constitution Club. Chadha stated, "AAP currently has 10 MPs in the Rajya Sabha; more than two-thirds of them are with us in this move. Three of those members are standing here before you today. In addition to us, the group includes Harbhajan Singh, Rajinder Gupta, Vikram Sahney, and Swati Maliwal." Raghav Chadha remarked, "AAP—a party I nurtured with my own blood and sweat, and to which I dedicated 15 years of my youth—has now strayed from its core principles, values, and fundamental ethics. Therefore, we announce today that I am dissociating myself from AAP and moving closer to the people." Chadha, who previously served as the Deputy Leader of the Aam Aadmi Party in the Upper House of Parliament, stated, "We have decided—as two-thirds of AAP's members in the Rajya Sabha—to adhere to the provisions of the Constitution of India and to merge ourselves (as a unified group) with the BJP." Raghav Chadha added, "Over the past 12 years, the BJP-led central government—under the leadership of Prime Minister Narendra Modi—has taken numerous decisions that many leaders in the past were afraid to undertake. The public has endorsed this leadership not just once, but three times. We will now work for the nation under the leadership of Prime Minister Modi."

Human Rights Commission Issues Notice Regarding Thermal Power Plant Explosion in Chhattisgarh

New Delhi. The National Human Rights Commission (NHRC) has taken *suo motu* cognizance of the incident involving a boiler tube explosion at a thermal power plant in the Shakti district of Chhattisgarh. On Friday, the Commission issued notices to the State Chief Secretary and the Director General of Police (DGP), directing them to submit a detailed report within two weeks. Notably, the boiler tube explosion on April 14 resulted in the deaths of approximately 13 workers and left 20 others injured. Prior to this, the extremely hot steam released by the blast had engulfed the workers. Subsequently, rescue operations were launched by the police only after the boiler had been shut down and cooled. The injured workers were admitted to various hospitals. The Commission has also requested that the report include details regarding the status of compensation distribution to the workers, as well as the health condition of those injured.

Proclaimed Offender Linked to Kala Jathedi–Sampat Nehra Gang Arrested

New Delhi. The Crime Branch of the Delhi Police has arrested a proclaimed offender linked to the notorious gangsters Kala Jathedi and Sampat Nehra. The accused had been absconding for approximately eight years and was wanted in serious cases involving attempted murder and armed robbery. Harsh Indora, Deputy Commissioner of Police (Crime Branch), stated on Friday that the accused has been identified as Ravi Malik alias Bhura (43). A resident of Siraspur, he was arrested from the Rohini area. He had previously been arrested in 2012 in connection with cases of attempted murder and armed robbery; however, after securing bail, he failed to appear in court, leading the court to declare him a fugitive in 2018. Acting on this information, a team led by Inspector Satish Malik laid

a trap and apprehended him. While incarcerated, he met the notorious gangster Kala Jathedi; subsequently, he entered the world of organized crime and became an active member of the gang. According to the police, between 2009 and 2011, the accused committed several serious crimes, including murder, robbery, attempted murder, and offenses under the Arms Act. In 2011, while still in jail, he conspired with his associates to murder a fellow inmate. Due to his persistent criminal activities, he was declared a 'Bad Character' (BC), and the Delhi Police announced a reward of 50,000 for his arrest, while the Uttar Pradesh Police announced a reward of 100,000. In 2020, in collaboration with an accomplice, he carried out a murder in Meerut. During this period, he sustained six gunshot wounds in a police encounter but managed to escape. According to the police, the accused is addicted to narcotics, which has further exacerbated his criminal tendencies. While on the run, he had established a hideout in Dehradun. He recently traveled to Delhi to meet his associates, where he was arrested by the Crime Branch.

Somnath Bharti and 16 Others Acquitted in Case of Misconduct Against African Women

New Delhi. The Rouse Avenue Court has acquitted 16 accused individuals—including Aam Aadmi Party (AAP) MLA and former Delhi Law Minister Somnath Bharti—in a 2014 case involving alleged misconduct against African women. Additional Chief Judicial Magistrate Neha Mittal issued the order acquitting the accused. Apart from Somnath Bharti, the individuals ordered to be acquitted by the court include Aditya, Badlu Khan, Badal Khan, Deepak Chauhan, Anil Kumar, Pawan Saini, Naresh Saini, Dharam Chand Rana, Ved Saini, Rajesh Saini, Hemant Saini, Sanjeev Saini, Vijay Saini, Devindra Chauhan, Indra Saini, and Shyamala Saini. Previously, this case was being heard at the Patiala House Court. On June 30, 2018, the Patiala House Court had ordered the framing of charges against 16 out of the 17 accused individuals, while one accused, Anil Saini, had been declared a fugitive by the court. The Patiala House Court had framed charges under Sections 323, 147, and 149 of the Indian Penal Code (IPC). Subsequently, the case was transferred to the Rouse Avenue Court—designated to hear cases registered against MPs and MLAs—where the trial for this matter was conducted. On the intervening night of January 15 and 16, 2014, the Delhi Police had registered a case against Somnath Bharti and several others following complaints lodged by certain foreign women. The Delhi Police's chargesheet alleged that during the intervening night of January 15 and 16, 2014, Somnath Bharti, under the pretext of conducting a raid, forcibly entered the homes of certain women in Malviya Nagar and subjected them to misconduct.

Opposition Again Serves Notice to Remove Gyanesh Kumar from Post of CEC

New Delhi. 73 Members of Parliament from the Opposition have served a notice to move a motion in the Rajya Sabha recommending to the President the removal of Chief Election Commissioner Gyanesh Kumar from his post. The notice regarding the motion has been submitted to the Secretary-General of the Rajya Sabha, leveling allegations of misconduct against Gyanesh Kumar. Congress General Secretary Jairam Ramesh stated on 'X' on Friday that this action has been initiated based on events and decisions that occurred after March 15, 2026. The motion has been brought under the provisions of Article 324(5) and Article 124(4) of the Constitution, as well as under laws pertaining to Election Commissioners and judges. Ramesh asserted that the Opposition has formally recorded nine specific allegations against the Chief Election Commissioner in detail. These allegations, he noted, cannot be refuted. Consequently, his continued tenure in office is deemed contrary to the constitutional ethos. His conduct has not been impartial, and he is perceived to be functioning under the influence of the government. Notably, this marks the second such attempt by the Opposition. Previously, on March 12, a notice signed by 193 MPs (63 from the Rajya Sabha and 130 from the Lok Sabha) had been submitted. That notice was subsequently rejected by the Chairman of the Rajya Sabha and the Speaker of the Lok Sabha.

Story Begins in Yoga Class, Escalates to Blackmail; Absconding Accused in 18 Lakh Extortion Case Arrested

New Delhi. The Inter-State Cell (ISC) of the Delhi Police Crime Branch has arrested the prime accused—who had been absconding—in a case involving blackmail and extortion in Gurugram. The accused cultivated intimacy with a woman to create compromising videos, and subsequently extorted lakhs of rupees from her by threatening to make the videos viral. The police apprehended him near the Patiala House Court. The complainant—the woman involved—stated that during the COVID-19 period, she had joined a yoga class conducted by the accused, Rakesh Sharma. During this time, the accused gained her trust, grew close to her, and established a physical relationship. It is alleged that, during this period, the accused secretly recorded videos of their private moments. At that time, the accused gave the false assurance that he would delete the videos, but he failed to do so. In March 2026, the accused contacted the woman again and sent the compromising videos to her husband. Following this, he demanded a sum of 15 lakh. However, the prime accused, Rakesh Sharma, fled the scene and continued to evade arrest by constantly changing his location. Given the gravity of the case, the Delhi Police Crime Branch team was entrusted with the task of apprehending the accused. The team received a tip-off that the accused was expected to visit the vicinity of the Patiala House Court. Acting on this information, a trap was laid on April 23, and he was arrested from outside the court complex located on Tilak Marg. During interrogation, the accused revealed that he had deliberately kept the videos securely in his possession, despite having previously received money from the victim. Driven by financial distress, he blackmailed the woman once again and demanded a large sum of money. The police investigation also revealed that the accused has a criminal history. The inquiry established that the accused had spent approximately 8–9 years in jail in Sahibabad, Uttar Pradesh, in connection with a murder case; after being released on bail in 2018, he began running yoga classes. Currently, the accused has been produced before the court and handed over to the concerned police station. Further legal proceedings in the matter are underway.

Vijender Gupta Announces Chairpersons of Three Financial Committees

New Delhi. Delhi Assembly Speaker Vijender Gupta on Friday announced the chairpersons of the three key financial committees of the Assembly for the year 2026–27. Under this arrangement, Ajay Mahawar has been appointed as the Chairperson of the Public Accounts Committee, Raj Kumar Bhatia as the Chairperson of the Committee on Public Undertakings, and Gajendra Singh Yadav as the Chairperson of the Estimates Committee. The composition of the committees is as follows: Ajay Mahawar has been appointed as the Chairperson of the Public Accounts Committee. The members are: Harish Khurana, Kuldeep Kumar, Sanjay Goyal, Sanjeev Jha, Satish Upadhyay, Shikha Rai, Surya Prakash Khatri, and Virender Singh Kadian. Raj Kumar Bhatia has been appointed as the Chairperson of the Committee on Public Undertakings. Gajendra Singh Yadav has been appointed as the Chairperson of the Estimates Committee. The members of the committee are: Karnail Singh, Neelam Pehalwan, Poonam Sharma, Pravesh Ratna, Sahi Ram, Sandeep Sehrawat, Umang Bajaj, and Veer Singh Dhingan.